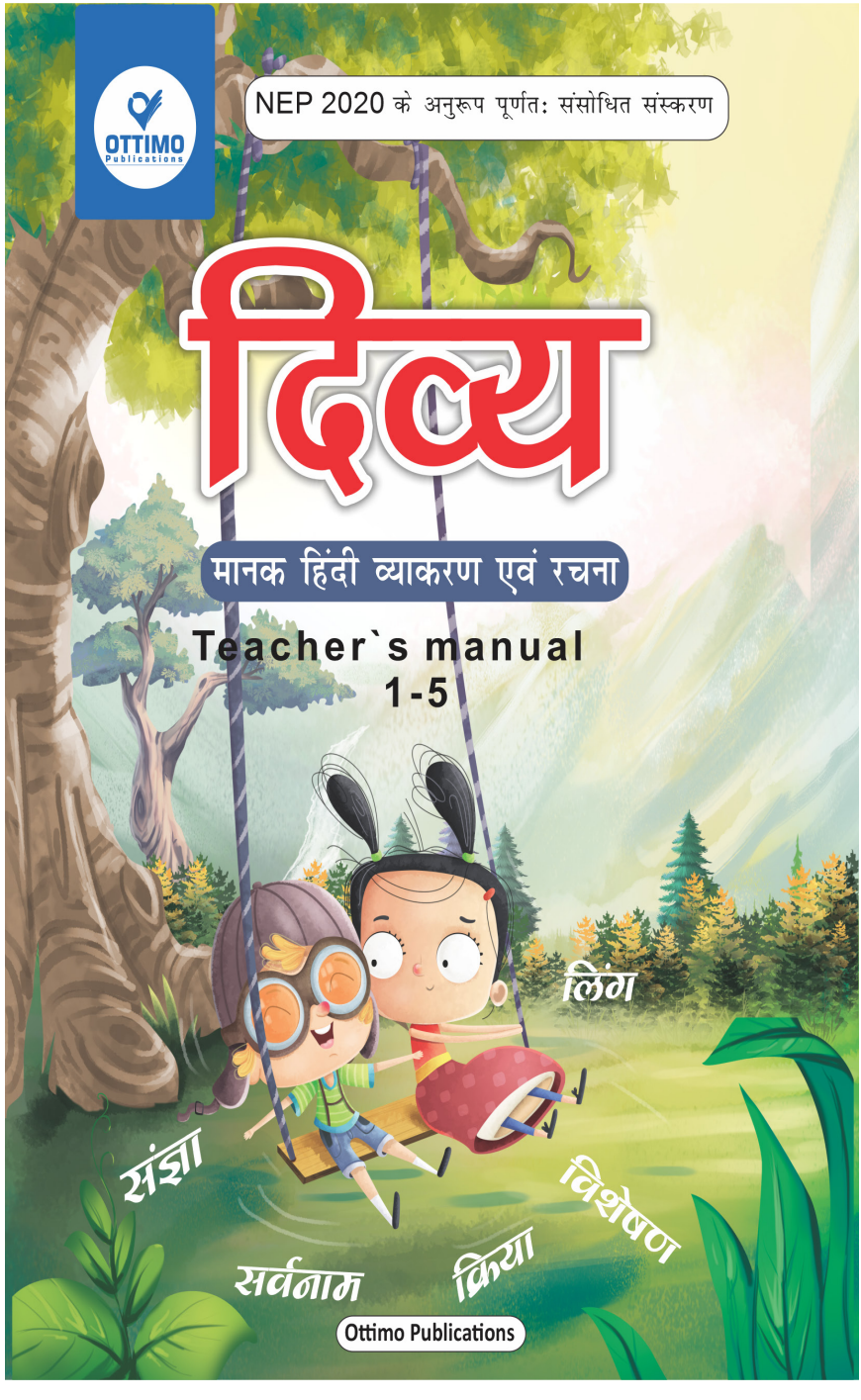

OTTIMO
Publications
NEP 2020 के अनुरूप पूर्णत: संसोधित संस्करण
दिव्य
मानक हिंदी व्याकरण एवं रचना
Teacher`s manual
1-5
लिंग
संज्ञा
विशेषण
सर्वनाम
क्रिया
Ottimo Publications

पाठमाला - 1

पाठ-1 मेरा परिचय

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-2 भाषा

अभ्यास

मौखिक

(क) 1. मौखिक भाषा में।

2. हिंदी व अंग्रेजी।

लिखित

(क) मौखिक लिखित मौखिक

(ख) लिखित सोचना सुनना

आओ कुछ करें

(क) विद्यार्थी स्वयं करें

पाठ-3 वर्ण और वर्णमाला

अभ्यास

मौखिक

1. स्वरों की संख्या 11 होती है और व्यंजन 33 होते है।
2. नहीं
3. भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सके वर्ण कहलाती है।
4. अं एवं अः।

लिखित

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ण
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		

आओ कुछ करें

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	

पाठ-4 स्वर मात्राएँ

मौखिक

1. स्वर के उच्चारण में जितना समय लगता है, उसे मात्रा कहते है।

लिखित

(क) ऐ ै, औ ौ, ई ी, उ ु, आ ा

(ख) ि इ, ू ऊ, ं ए, ो ओ, ै ऐ

(ग) हाथी गुलाब तोता पौधा माला

पाठ-5 शब्द और वाक्य

अभ्यास

मौखिक

1. वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है।
2. वाक्य में शब्दों का सही स्थान होता है।

लिखित

(क) 1. कमल 2. शहद 3. मटक 4. कलम
5. पहल 6. भटक

(ख) 1. मैं विद्यालय जा रहा हूँ।
2. राहुल हँसता है।
3. पिंजरे में तोता है।
4. माँ भोजन पकाती है।

(ग) 1. मछली जल की रानी है।
2. घोड़ा सड़क पर दौड़ रहा है।

आओ कुछ करें

(क) 1. मोर 2. जहाज 3. शलगम

(ख) भालू अजगर शेरनी

(ग) 1. पेड़ 2. बेल 3. कौआ 4. सूरज
5. लोमड़ी 6. अंगूर

(घ) 1. मेंढ़क और मछली जल में रहते है।
2. लालची लोमड़ी अंगूर खाने की कोशिश कर रही है।

पाठ -6 नाम वाले शब्द : संज्ञा

अभ्यास

मौखिक

1. हम वस्तुओं को उनके नाम से पहचानते है।

2. सभी नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहते है।
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

लिखित

(क) 1. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार
2. जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसबंर।
3. आम, सेब, केला, अंगूर, सतंरा।
4. भालू, शेर, हाथी, हिरन, चीता।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

आओ कुछ करें

(क) 1. सूरज 2. फूल 3. चिड़िया 4. मुर्गा 5. किसान

पाठ-7 स्त्री-पुरुष : लिंग

मौखिक

1. जिस शब्द से स्त्री या पुरुष होने का पता चले उन्हें लिंग कहते है।
2. स्त्रीलिंग, पुल्लिंग

लिखित

1. शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष पता चले उसे लिंग कहते है। जैसे- माता-पिता।
2. जिस शब्द से स्त्री जाति के होने का पता चले उसे स्त्रीलिंग कहते है।
3. जिस शब्द से पुरुष जाति के होने का पता चले, उसे पुल्लिंग कहते है।

(ख)

बेटा	बेटी
मामा	मामी
बकरा	बकरी

फ़

(ग)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1. पिता	माता	2. मोर	मोरनी
3. लड़का	लड़की	4. हिरन	हिरनी
5. बच्चा	बच्ची	6. चाचा	चाची
7. बेटा	बेटी	8. बकरा	बकरी
9. दादा	दादी	10. राजकुमार	राजकुमारी

(घ)

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
1. मामी	मामा	2. चुहिया	चूहा

3. बालिका	बालक	4. पुत्री	पुत्र
5. बहिन	भाई	6. शेरनी	शेर
7. नौकरानी	नौकर	8. मोरनी	मोर

आओ कुछ करें

(क) 1. चाचा चाची
2. सिंह सिंहनी
3. मामा मामी
4. मोर मोरनी
5. चूहा चुहिया

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-8 वचन : एक-अनेक

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. जिस शब्द से किसी एक प्राणी या वस्तु का बोध होता हैं।
2. दो

लिखित

(क) 1. पुस्तक एकवचन 2. पेंसिलें बहुवचन
3. नाव एकवचन 4. हवाई जहाजों/विमानों बहुवचन

(ख) एकवचन	बहुवचन	बहुवचन	एकवचन
घोड़ा	घोड़े	लड़के	लड़का
बिल्ली	बिल्लियाँ	केले	केला
आँख	आँखे	कुर्सियाँ	कुर्सी

(ग एवं घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

आओ कुछ करें

(क)	एकवचन	बहुवचन
1.	अध्यापिका	छात्र-छात्राएँ
2.	ग्लोब	किताबें
3.	कुर्सी	मेजें
4.	मेज	
5.	खिड़की	
6.	चॉक	

पाठ-9 संज्ञा के स्थान पर : सर्वनाम

अभ्यास

मौखिक

1. मैं
2. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द
3. आप

लिखित

1. मैंने अपना गृह-कार्य खत्म कर लिया।
2. यह मोर बहुत सुंदर हैं।
3. मैं बाज़ार जा रही हूँ।
4. तुम जल्दी उठकर विद्यालय जाओ।
5. आपका नाम क्या हैं?

(ख) 1. तुम 2. आपका 3. हमें 4. मैं

आओ कुछ करें

(क) 1. तुम्हारा – तुम्हारा नाम क्या है?
2. उनका – उनका काम हो गया।
3. इससे – इससे मैं क्या करूगा।
4. मेरी – मेरी माँ ने खाना बना लिया।
5. हमसे – हमसे कौन प्रश्न पूछ रहा है?

(ख) 1. मैं एक लड़का हूँ।
2. वह एक पेड़ है।
3. तुम कहा जा रहे हो?
4. आप यहाँ बैठो।
5. यह खिड़की खोल दो।
6. हम साथ बैठेगें।

पाठ-10 विशेषता बताने वाले शब्द : विशेषण

अभ्यास

मौखिक

(क) 1. मीठा 2. खट्टा 3. मीठा 4. लम्बी 5. गोल

लिखित

(क) 1. एक 2. विशाल 3. काला 4. चार 5. लम्बी

(ख) 1. कड़वा करेला

2. मोटा आदमी
3. लाल टमाटर

आओ कुछ करें

(क) मीठा गोरा लम्बी खट्टा तेज पतला
ठंडा स्वादिष्ट काला ऊँचा कड़वी गरम

(ख) 1. फूल लाल है।
2. तोता हरा है।
3. कोयल मीठा गाती है।
4. गुब्बारा बड़ा है।
5. आइसक्रीम ठंडी है।

(ग) 1. बड़े 2. गरम 3. लाल 4. मीठा 5. खट्टा
1. काला 2. रंग बिरंगी 3. ऊँचा 4. खट्टी
कैसा छाता? कितनी पतंगें? कैसा पर्वत? कैसी इमली

पाठ-11 काम वाले शब्द: क्रिया

अभ्यास

मौखिक

(क) 1. जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो।
2. पढ़ाई
3. विद्यार्थी स्वयं करें।
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

लिखित

(क) 1. खेलना 2. भागना/दौड़ना 3. खाना 4. भौकना

(ख) 1. गाय घास खा रही है। 2. बालक केक खा रहा है।
3. लड़की टीवी देख रही है। 4. बिल्ली दूध पी रही है।

आओ कुछ करें

(क)

घर पर करने वाले काम	**स्कूल में करने वाले काम**
खेलना	पढ़ाई करना
टी॰ वी॰ देखना	खेलना
माता जी की मदद करना	मित्रों से बातचीत करना
पिताजी के साथ पार्क जाना	कंप्यूटर चलाना सीखना

पाठ-12 समान अर्थ वाले शब्द

अभ्यास

मौखिक

1. ऐसे शब्द जिनका अर्थ समान होता है।
2. अम्मा

लिखित

(क) 1. बाबूजी/पापा 2. मम्मी/माँ 3. पुस्तक 4. मित्र

(ख) 1. जननी 2. दिनकर

आओ कुछ करें

(क) 1. प्रभात सुबह 2. सांय संध्या 3. बारिश वर्षा

पाठ-13 विपरीत अर्थ वाले शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) 1. विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते है।

2. गरम

लिखित

(क) 1. सर्दी गर्मी 2. खट्टा मीठा 3. पास दूर

(ख) 1. अच्छा – बुरा 2. जीत – हार

3. हँसना – रोना 4. अँधेरा – उजाला

5. आधा – पूरा 6. काला – गोरा

आओ कुछ करें

(क) 1. सच्चा – झूठा 2. शत्रु – मित्र

3. अमीर – गरीब 4. अंदर – बाहर

5. उलटा – सीधा 6. लंबा – छोटा

खेल-खेल में व्याकरण

चाँद शशि सूरज सूर्य पक्षी पंछी

मोहन जहाज

नाक धीरे

घोड़ा थोड़ा

हँसना काला

1. ऊपर 2. बूढ़ा 3. धूप 4. काला

नीचे जवान छाया गोरा

पाठ-14 आओ रचें कहानी

शेर और चूहा

गरमी के दिन थे। एक शेर एक पेड़ के नीचे सो रहा था। एक चूहा अपने बिल से निकला। उसने सोते हुए शेर को देखा। वह शेर के शरीर पर उछल कूद करने लगा। शेर की आँख खुल गई। उसने चूहे को अपने पंजे में दबोच लिया। चूहे ने डरते हुए शेर से उसे छोड़ने की प्रार्थना की। शेर ने चूहे को माफ कर दिया और उसे छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद वही शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। वह ज़ोर-ज़ोर से दहाड़ने लगा। चूहे ने अपने बिल में शेर की आवाज़ सुनी। वह बिल से निकल आया। उसने अपने तेज़ दाँतों से जाल की रस्सियाँ काट दी। शेर जाल से छूट गया और चूहे को धन्यवाद दिया।

पाठमाला - 2

पाठ-1 मेरा परिचय

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-2 भाषा और व्याकरण

अभ्यास

मौखिक

1. मुख द्वारा बोली जाने वाली भाषा को मौखिक भाषा कहते हैं।
2. हिंदी की लिपि देवनागरी है।
3. हिंदी/अन्य भाषाएँ

लिखित

(क) 1. भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों तथा विचारों को लिखकर या बोलकर प्रकट करते हैं।

2. व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम किसी भाषा को शुद्ध पढ़ना लिखना और बोलना सीखते हैं।
3. भाषा के ध्वनि चिन्हों को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।

(ख) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

(ग)

1.	मौखिक भाषा	मुख द्वारा बोली जाने वाली भाषा
2.	हिंदी भाषा की लिपि	देवनागरी
3.	हमारी राजभाषा	हिंदी

(घ) 1. बोलकर 2. दो 3. भाषा 4. देवनागरी

आओ कुछ करें

(क) 1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन है।

(ख) 1. मौखिक 2. लिखित 3. मौखिक 4. लिखित
5. लिखित 6. मौखिक

पाठ-3 वर्ण और वर्णमाला

अभ्यास

मौखिक

1. स्वर - 11 व्यंजन 33
2. वर्णों या अक्षरों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहा जाता है।
3. स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते हैं।

4. ऐसे वर्ण जो किसी स्वर वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं, व्यंजन कहलाते हैं।

5. अयोगवाह - अयोगवाह (अं) और विसर्ग (अः) को कहते हैं।

6. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।

लिखित

(क) 1. क्ष   2. त्र   3. ज्ञ   4. श्र

(ख) 1. वर्ण   2. व्यंजन   3. अनुनासिक

(ग) 1. ✓   2. ✗   4. ✓   4. ✗

(घ) स्वर : अ इ ई ऋ

व्यंजन : क त भ द म

(ङ) 1. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते है।

2. स्वर के उच्चारण किसी वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है जबकि व्यंजन के उच्चारण में स्वर की सहायता ली जाती है।

आओ कुछ करें

1. हिंदी वर्णमाला में स्वरों की संख्या 11 है।
2. हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या 33 है।
3. अयोगवाह – अयोगवाह अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) को कहते हैं।
4. अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर – अनुनासिक वे स्वर हैं जिनमें मुख से अधिक तथा नासिका से कम ध्वनि निकलती है। अनुस्वार वे व्यंजन हैं जो स्वर के बाद आते हैं।

पाठ-4 मात्राएँ

अभ्यास

मौखिक

1. ऋ   2. ॅ ए   3. कील   4. ऊ

लिखित

(क) आम   केला   चील   तालाब   कृषक   सेब   थैला   तोता

(ख) 1. स्वर के निश्चित चिह्न को मात्रा कहते हैं।

2. मात्राओं का प्रयोग व्यंजनों के साथ किया जाता है।

(ग)

1. कील	ी	6. मयूर	ू
2. दौड़	ौ	7. मृग	ृ
3. ठेला	े	8. पिता	ि
4. कचौड़ी	ौ	9. सारस	ा
5. पुल	ु	10. थैला	ै

आओ कुछ करें

(क) ि – दिन ु – कुल

ृ – गृह ू – फूल

ै – सैर ो – रोटी

(ख) सड़क फल कल कलम कमल

(ग) क् + आ = क् + ा = का म् + ए = म् + े = मे

च् + औ = च् + ौ = चौ ल् + ई = ल् + ी = ली

पाठ-5 शब्द एवं वाक्य

अभ्यास

मौखिक

1. वर्ण के अर्थपूर्ण मेल को शब्द कहते है। जैसे– पेड़, सेब आदि।
2. शब्दों के अर्थपूर्ण मेल को वाक्य कहते है।

लिखित

(क) 1. तोता 2. बीमार 3. गुड़िया 4. झूला 5. मटर

(ख) 1. घर – मेरी घर बहुत सुदंर है।

2. खेलना – हॉकी खेलना मुझे बहुत पसंद है।
3. आराम – रमेश आराम कर रहा है।
4. पाठशाला – मैं पाठशाला जा रहा हूँ।

आओ कुछ करें

(क) पलट टपल लटप

लपट टलप पटल

मतलब होता है – पलट पटल लपट

मतलब नहीं होता है – टलप टपल लटप

(ख) 1. अपनी पसंद का खेल – क्रिकेट

2. अपनी पसंद का फल – अनार
3. अपनी पसंद का रंग – काला
4. अपनी पसंद का जानवर – गाय

पाठ-6 संज्ञा

अभ्यास

मौखिक

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।

लिखित

(क) 1. मोर 2. हिरन 3. पतंग

(ख) 1. व्यक्तियों के नाम – इंदिरा गांधी मयंक

2. वस्तुओं के नाम – मेज कलम

3. स्थानों के नाम – मुंबई दिल्ली

4. भावों के नाम – बुढ़ापा बीमारी

(ग) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते है।

2. व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक

आओ कुछ करें

(क) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ख) जनवरी अप्रैल जुलाई अक्टूबर

फरवरी मई अगस्त नवम्बर

मार्च जून सितंबर दिसंबर

(ग) मस्जिद मोर बिल्ली खरगोश

साईकिल चूहा सूर्य कुत्ता लड़का

पाठ-7 लिंग

अभ्यास

मौखिक

1. जिन शब्दों से पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें लिंग कहते हैं।
2. लिंग दो प्रकार के होते है।

लिखित

(क) स्त्रीलिंग – युवती शेरनी लड़की बेटी

पुल्लिंग – हाथी अध्यापक बालक पुत्र छात्रा घोड़ा

(ख)

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**
अध्यापिका	अध्यापक	हिरणी	हिरण
पत्नी	पति	गायिका	गायक
शिक्षिका	शिक्षक	रानी	राजा
नानी	नाना	मोरनी	मोर

(ग)

1.	आदमी	पुल्लिंग	5.	वधू	वर
2.	अध्यापक	अध्यापिका	6.	अभिनेत्री	अभिनेता
3.	संचालक	संचालिका	7.	धोबी	धोबिन
4.	चाचा	चाची	8.	नाना	नानी

(घ) 1. मोर मोरनी 2. हथनी हाथी 3. बहन भाई
4. गाय भैस 5. सेठ सेठानी 6. चूहा चुहिया
7. नाना नानी 8. मौसी मौसा 9. बालक बालिका

(ङ) 1. मोर नाना चूहा बालक सेठ
2. मोरनी नानी चुहिया बालिका सेठानी

आओ कुछ करें

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-8 वचन

अभ्यास

मौखिक

1. शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या अधिक होने का बोध होता है।
2. वचन दो प्रकार के होते है एकवचन, बहुवचन।

लिखित

(क)

	बहुवचन	एकवचन		बहुवचन	एकवचन
1.	बच्चें	बच्चा	2.	गेंदें	गेंद
3.	कुत्तें	कुत्ता	4.	आँखें	आँख
5.	केले	केला	6.	गुड़ियाँ	गुड़िया
7.	कुर्सियाँ	कुर्सी	8.	पुस्तकें	पुस्तक
9.	लड़के	लड़का	10.	गायें	गाय

(ख)

	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन
1.	घोड़ा	घोड़े	2.	कुत्ता	कुत्ते
3.	पुस्तक	पुस्तकें	4.	माता	पिता
5.	वस्तु	वस्तुएं	6.	बिल्ली	बिल्लियाँ
7.	चाची	चाचिया	8.	किताब	किताबें

(ग) 1. शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु के एक होने का बोध हो उसे एकवचन कहते है।

2. शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु के एक से अधिक होने का बोध होता है।

आओ कुछ करें

(क) 1. लड़का 2. लड़के 3. बिल्लियाँ 4. बिल्ली
5. गुब्बारा 6. गुब्बारें

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ–9 सर्वनाम

अभ्यास

मौखिक

1. नाम की जगह जिन शब्दों का उपयोग होता है। उसे सर्वनाम कहते हैं।
2. यह, वह, तुम, ये, वे।

लिखित

(क) 1. तुम 2. मेरे 3. मेरा 4. हम

(ख) 1. वह 2. हमने 3. मैं 4. मेरी

(ग) 1. हमलोग 2. लड़के

(घ) 1. मै, मेरा, मुझे, हम, हमारा, हमलोग।

2. वह, वे, उसका, उसके, उनके

पाठ–10 विशेषण

अभ्यास

मौखिक

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।
2. काला, गोरा, ऊँचा, मीठा, ताजा

लिखित

(क) 1. ठंडी हवा

2. ऊँची इमारत
3. सफेद दूध
4. हरी घास

(ख)

विशेषण	विशेष्य
1. लाल	स्वेटर
2. दो	आम
3. सुंदर	घर

(ग) 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।

2. जिन शब्दों की विशेषता बताई जा रही हो उन्हें विशेष्य कहते है।

आओ कुछ करें

आसमान कैसा दिखाई देता है?	नीला
गुलाब का रंग कैसा होता है?	लाल, गुलाबी

आपके कमरे की दीवारों का रंग कैसा है? _____

पौधों का रंग कैसा होता है? हरा

कोयल की आवाज़ कैसी होती है? मीठी

तितलियाँ कैसी होती हैं? रंग बिरंगी

आपकी कमीज़ का रंग कैसा है? _____

पाठ-11 क्रिया

अभ्यास

मौखिक

1. जब किसी कार्य का करना या होना पाया जाए उसे क्रिया कहते है।
2. क्रिया शब्दों के बिना कोई भी वाक्य पूरा नहीं होता हैं।

लिखित

(क) 1. पढ़ 2. चमक 3. गा 4. पका

(ख) 1. उड़ाना 2. खाना 3. तोड़ना 4. जोतना 5. भौंकना

(ग) 1. किसी वाक्य को पूरा करने के लिए क्रिया-शब्द आवश्यक होते है।

2. खाना, नहाना, बोलना, गाना, नाचना, सुनना, सोना, उठना, बैठना, देखना

आओ कुछ करें

(क) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-12 समानार्थी शब्द

अभ्यास

मौखिक

1. वे शब्द जो एक समान अर्थ देते हों, समानार्थी शब्द कहलाते हैं।
2. भगवान, परमात्मा, परमेश्वर।

लिखित

(क) पेड़ मेघ

वृक्ष जलद

गृह सूरज

भवन रवि

(ख) 1. पुष्प 2. दिवस 3. गृह 4. नयन

(ग) 1. समानार्थी शब्द को पर्यायवाची कहते है।

2. माता – माँ, जननी

वृक्ष – पेड़, तरु

आओ कुछ करें

(क) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) 1. रवि – सूरज 2. कमल – जलज
3. वायु – हवा 4. बादल – जलद
5. नौका – नाव 6. दवा – दवाई
7. माँ – जननी 8. आँख – नयन

पाठ-13 विलोम शब्द

अभ्यास

मौखिक

1. एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
2. जाना

लिखित

(क) 1. खोना पाना 2. अमीर गरीब
3. हार जीत 4. अमृत विष
5. सुबह शाम 6. बुराई भलाई
7. मित्र शत्रु 8. मोटा पतला

(ख) 1. रात दिन 2. सुख दुःख 3. स्वस्थ अस्वस्थ
4. अच्छा बुरा 5. प्रकाश अंधकार

(ग) 1. एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द या विपरीतार्थी शब्द कहते हैं।
2. उल्टे अर्थ वाले शब्द, विपरीतार्थी शब्द।

आओ कुछ करें

(क) 1. मोटा 2. पतला 3. दिन 4. रात

(ख) बिल्ली के आगे चूहा और पीछे कुत्ता दौड़ रहा है। तीनों में चूहा सबसे तेज और कुत्ता सबसे धीरे दौड़ रहा है।

पाठ-14 अनुच्छेद-लेखन

मेरी गाय

नाम मेरी गाय का नाम भूरी है।
रूप-रंग इसका रंग भूरा व सफेद है।
खाना यह घास खाती है।
कार्य यह दूध देती है।
लाभ इसके दूध से विभिन्न प्रकार के पकवान बनाते है।

मेरा विद्यालय

विद्यार्थी स्वयं करें।

होली

विद्यार्थी स्वयं करें।

चाचा नेहरू

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठमाला - 3

पाठ-1 भाषा और व्याकरण

अभ्यास

मौखिक

1. भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम एक दूसरे तक अपना संदेश पहुंचाते हैं।
2. व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम शुद्ध बोलना, लिखना तथा पढ़ना सीखते हैं।
3. हिंदी हमारी राज भाषा है।

लिखित

(क) शुद्ध रूप

1. राम आम खाता है।
2. गाड़ी प्लेटफार्म पर है।
3. अर्णव खेल रहा है।
4. माँ बाज़ार जा रही है।

(ख) 1. (iv) तेलुगु 2. (ii) पंजाबी 3. (i) उड़िया

(ग) 1. भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है।

2. मौखिक भाषा– मुख द्वारा बोली जाने वाली भाषा को मौखिक भाषा कहते हैं।
   लिखित भाषा– हम जो कुछ भी लिखते और पढ़ते हैं, उसे लिखित भाषा कहते हैं।
3. भाषा सीखने के लिए निर्धारित किए गए चिन्हों को लिपि कहते हैं।
4. हिंदी, उर्दू, कन्नड़।

(घ)

1. गुजरात	गुजराती	2. पश्चिम बंगाल	बंगाली
3. तमिलनाडु	तमिल	4. उत्तर प्रदेश	हिंदी

आओ कुछ करें

(क) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-2 वर्ण

अभ्यास

मौखिक

(क) वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

(ख) स्वर एवं व्यंजन

(ग) स्वर

लिखित

(क) अनुस्वार शब्द – पंख पतंग

अनुनासिक शब्द – पांच आँख

(ख) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

(ग) लड़का – ल् + अ + ड़् + क् + आ

भारत – भ् + आ + र + अ + त् + अ

भगत – भ् + अ + ग् + अ + त् + अ

विचार – व् + इ + च् + आ + र् + अ

ममता – म् + अ + म् + अ + त् + आ

माता – म् + आ + त् + आ

नदी – न् + अ + द् + ई

झरना – झ् + अ + र् + अ + न + आ

(घ) बालक हाथी हिरन तालाब वायु

(ङ) 1. वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते उसे वर्ण कहते है।

2. अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर – अनुनासिक वे स्वर है जिनमें मुख से अधिक तथा नासिका से कम ध्वनि निकलती है। अनुस्वार वे व्यंजन हैं जो स्वर के बाद आते हैं।

आओ कुछ करें

- ा – काला ी – मीठा

  े – रेल ौ – कौआ

  ृ – गृह ू – फूल

- अनुस्वार वाले शब्द – पंख पतंग

  अनुनासिक वाले शब्द – काँटा हँसना

  ड़ = कड़ा खड़ा कीड़ा जड़

  ढ़ = ढ़क्कन ढ़ाल ढ़ीला ढ़ोल

- ऋ = ऋषि कृषक मृग

  ऐ = केला रेल मेल

  औ = कौआ चौका नौका

अं = अंगूर संग भंग

पाठ-3 शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) सार्थक और निरर्थक

(ख) विकारी और अविकारी

लिखित

(क) सार्थक शब्द – गाड़ी चाय मकान शेर

निरर्थक शब्द – वकान वाय वंगल तड़की

(ख) 1. अविकार शब्द 2. अविकारी शब्द 3. अविकारी शब्द

4. विकारी शब्द 5. विकारी शब्द 6. विकारी शब्द

(ग) 1. एक या एक से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

2. एक या एक से अधिक वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं।

3. सार्थक शब्द– जिन शब्दों का कुछ अर्थ होता है, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं; उदाहरण– पुस्तक, दीवार, रोटी, कलम।

निरर्थक शब्द– जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं। उदाहरण– रोटी-वोटी, मकान-वकान, फल-वल।

4. विकारी शब्द– जिन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने पर लिंग, वचन, पुरुष तथा कारक के कारण रूप बदल जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं; जैसे– वह खेल रहा है, वे खेल रहे हैं।

अविकारी शब्द– जिन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने पर रूप नहीं बदलता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं; जैसे– परंतु, किंतु, यदि आदि।

ग़

आओ कुछ करें

1. सूर्य × सूरज चाँद × शशि

2. रात्रि × रात सुबह × प्रातः

3. मगर → जल में रहने वाला एक जंतु
   मगर → लेकिन
   पत्र → काग़ज़ पर लिखा संदेश
   पत्र → पक्षी का पंख

4. रसोई के लिए घर – रसोईघर घोड़े पर सवार – घुड़सवार

पाठ-4 संज्ञा

अभ्यास

मौखिक

(क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते है।

(ख) व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक

लिखित

(क) 1. (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. (iii) भाववाचक संज्ञा
3. (i) जातिवाचक संज्ञा 4. (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा
5. (i) जातिवाचक संज्ञा 6. (i) जातिवाचक संज्ञा

(ख) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ग) 1. चीनी 2. राघव 3. मछलियाँ 4. मीरा 5. बुढ़ापा

(घ) 1. किसी जाति, द्रव्य, गुण, भाव, व्यक्ति, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे– पशु (जाति), सुन्दरता (गुण), व्यथा (भाव), मोहन (व्यक्ति), दिल्ली (स्थान)।

2. जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के नाम का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। यथा- जयपुर, दिल्ली, भारत, रामायण, अमेरिका, राम, श्याम, अफ्रीका इत्यादि।

3. जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– बच्चा, जानवर, नदी, अध्यापक, बाज़ार, पहाड़, खिड़की आदि।

4. जिन शब्दों से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण भाव स्वभाव की अवस्था का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे मिठास, बुढ़ापा, गरीबी, आजादी, साहस, वीरता, आदि।

आओ कुछ करें

1.

जातिवाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	भारत	हंसना
बाज़ार	अमेरिका	वीरता
नदी	राम	सर्दी
अध्यापक	रामायण	मोटापा
मोर	जयपुर	अच्छाई

2. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-5 लिंग

अभ्यास

मौखिक

(क) स्त्री या पुरुष का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।

(ख) लिंग के दो भेद होते है। पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

लिखित

(क) पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
ग्वाला	ग्वालिन	शेर	शेरनी
गायक	गयिका	शिष्य	शिष्या
शिक्षक	शिक्षिका	मौसा	मौसी
बंदर	बंदरिया	लेखक	लेखिका
सेवक	सेविका		

(ख) स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**
अध्यापिका	अध्यापक	कवयित्री	कवि
मौसी	मौसा	नानी	नाना
माता	पिता	लड़की	लड़का
चुहिया	चूहा	देवी	देव
शिष्या	शिष्य		

(ग) नर वर्ग – 1. गाय 2. आदमी

मादा वर्ग – 1. बैल 2. औरत

आओ कुछ करें

-

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**
मोरनी	राजा
गाय	चूहा
बकरी	बालक

- 1. घोड़ी 2. दादी 3. लड़कियाँ 4. अध्यापिका
- 1. माली फूल तोड़ रहा है।
  2. बैल घास चर रहा है।
  3. शेरनी गुफा के पास बैठी है।
  4. गायिका गीत गा रही है।
- 1. कुत्ता पिल्लों के साथ खेल रहा है। 2. लड़कियाँ खेल रही हैं।

कुत्ता एक पुल्लिंग शब्द है। लड़कियाँ स्त्रीलिंग शब्द है।

पाठ-6 वचन

अभ्यास

मौखिक

(क) जो शब्द एक या एक से अधिक होने का बोध कराते है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) वचन के दो प्रकार होते है। एकवचन, बहुवचन।

लिखित

(क)

एकवचन	–	बतख	खिड़की	माला	पत्ता
बहुवचन	–	मक्खियाँ	रातें	किताबें	लड़के

(ख)

बेटियाँ	–	बेटी	पाठशाला	–	पाठशालाएँ
घोड़ा	–	घोड़े	केले	–	केला
तोते	–	तोता	कहानियाँ	–	कहानी
कबूतर	–	कबूतरों	नदी	–	नदियाँ
ताला	–	तालें	गिलास	–	गिलासों
सड़क	–	सड़कें	कथा	–	कथाओं
कक्षा	–	कक्षाएँ	किसान	–	किसानों
बहन	–	बहनें	दवाई	–	दवाइयाँ
आम	–	आमों	दूध	–	दूध

(ग) 1. शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो उसे एकवचन कहते हैं। जैसे– लड़का, गाय।

2. एक से अधिक वस्तुओं का बोध कराने वाले व्यक्तियों का बोध कराने वाले शब्दों को बहुवचन कहते है।

आओ कुछ करें

एकवचन	**बहुवचन**
लड़का	लड़के
मछली	मछलियाँ
मिठाई	मिठाइयाँ
केला	केले
किताब	किताबें

एकवचन	**बहुवचन**
अष्टाबाहु	कछुए
नदी	बतखें

बादल	मछलियाँ
धरती	पेड़ों
पहाड़	पहाड़ों

पाठ-7 सर्वनाम

अभ्यास

मौखिक

(क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

(ख) सर्वनाम के छः भेद है। पुरूषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक और निजवाचक।

लिखित

(क) 1. हम 2. तुम 3. हमने 4. वह

(ख)

	वाक्य	सर्वनाम शब्द
1.	मैं आज जाऊँगा।	मैं
2.	कुछ खा लो।	कुछ
3.	तुम क्या पढ़ रहे हो?	तुम
4.	वह इस कार्य को स्वयं करेगा।	वह
5.	जो होना है, सो होगा।	जो, सो

(ग) 2. वह 3. उसे 4. उसने 5. उसे

(घ) 1. यह यह मेरी पुस्तक है।

2. वह वह इमारत ऊचीं है।

3. मैं मैं कल घूमने गया था।

4. तुम तुम क्या खाओगे?

5. कोई कोई आएगा तो बता देना।

6. उसने उसने मुझे बधाई दी।

(ङ) वैभव और राजू मामा जी के साथ चिड़ियाघर गए। (वहाँ) (उन्होंने) बहुत सारे जानवर देखे। शेर को देखकर वैभव डर गया। (वह) डर के मारे छिप गया। राजू ने (उसे) समझाया कि शेर पिंजड़े में बंद है वह बाहर नहीं आ सकता। यह सुनकर (उसका) डर कम हुआ। फिर (वे) दोनों हँसने लगे। मामा जी ने (उनको) हाथी की सवारी करवाई।

आओ कुछ करें

पुरुषवाचक	प्रश्नवाचक	निश्चयवाचक
मैं, तुम, हम, वह	क्या, कौन	वे, यह

निजवाचक	अनिश्चयवाचक	संबंधवाचक
आप, स्वयं, खुद	कोई, कुछ	जो, सो

पाठ-8 विशेषण

अभ्यास

मौखिक

(क) 1. संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।

2. विशेषण के चार भेद होते है।

लिखित

(क)

	विशेषण	**विशेष्य**
1. चतुर गोपाल	चतुर	गोपाल
2. ढेर सारा अनाज	ढेर सारा	अनाज
3. लाल गुलाब	लाल	गुलाब
4. इलाहाबादी अमरूद	इलाहाबाद	अमरूद

(ख)

रोग	रोगी	मास	मासिक	दिन	दैनिक
श्रद्धा	श्रद्धालु	धर्म	धार्मिक	मूल	मौलिक

(ग) संख्यावाचक विशेषण– वे शब्द जिनसे किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है,

परिमाणवाचक विशेषण– जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा अथवा परिमाण का बोध होता है।

(घ) 1. कबीर होशियार है।

2. नील ठंडा पानी पीता है।

3. मुझे पीले आम चाहिए।

4. आदित्य के पास चार किताबें हैं।

5. निखिल ने लाल पतंग खरीदी।

(ङ)

हरा	**पेड़**
सुंदर	गुड़िया
नमकीन	चावल
ऊँची	इमारत
दो मीटर	रस्सी

आओ कुछ करें

- 1. गुणवाचक विशेषण मोटा अच्छा

2. संख्यावाचक विशेषण चार दुगना
3. परिमाणवाचक विशेषण अधिक ज्यादा
4. संकेतवाचक विशेषण मेरा उसका

- सूखा यह जंगल सूखा पड़ा है।
  धार्मिक गीता एक धार्मिक ग्रंथ है।
  गरीब रमा एक गरीब परिवार में रहती है।
  ऊँचा भारत का झंडा सदा ऊँचा लहराता है।
  चौकोर आयत एक चौकोर आकृति है।
- विद्यार्थी स्वयं करें।
- 1. भूरी बिल्ली लंबी पूँछ वाले चूहे के पीछे दौड़ रही है।
  इस वाक्य में लंबी विशेषण है तथा पूँछ विशेष्य है।
  2. चूहे तेज़ी से भाग रहे हैं और बिल्ली लंबी छलांग लगा रही है।
  इस वाक्य में लंबी, तेजी विशेषण है तथा चूहे, छलांग विशेष्य है।

पाठ-9 क्रिया

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों से किसी के होने या करने का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते है।

(ख) (i) अकर्मक (ii) सकर्मक

लिखित

(क) 1. बना 2. पढ़ 3. सो

(ख)

सकर्मक क्रिया	अकर्मक क्रिया
खाना	बैठना
पढ़ना	चलना
खरीदना	हंसना
खेलना	नाचना

(ग) 1. जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का पता चले, उसे क्रिया कहते है।

2. सकर्मक क्रिया– वाक्य में जब क्रिया के साथ कर्म भी होता है तब उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं जैसे– लिखना, देना, खाना, पीना आदि।
अकर्मक क्रिया– वाक्य में जब क्रिया के साथ कोई कर्म नहीं होता तो उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं जैसे– नहाना, दौड़ना, बैठना, सोना आदि।

(घ) 1. खाई 2. उड़ गई 3. बैठे है

आओ कुछ करें

अपने आप होने वाले काम	**किए जाने वाले काम**
फूलों का खिलना	बच्चों का पढ़ना
सूरज का निकलना	गाय का घास चरना
राजू का सोना	राघव का पत्र लिखना
दादा जी का बैठना	माँ का टी॰ वी॰ देखना

- दौड़ना नाचना लिखना
  गाना खेलना पकाना

- लिखना – राम पत्र लिख रहा है।
  देखना – प्रीत टी॰ वी॰ देख रहा है।
  सुनना – ऋतु गाना सुन रही है।
  उड़ना – चिड़िया उड़ रही है।
  दहाड़ना – शेर दहाड़ रहा है।

पाठ-10 विपरीतार्थक शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) विपरीत अर्थ बनाने वाले शब्दों को विलोम या विपरीत शब्द कहते है।

लिखित

(क)	शब्द	विलोम	शब्दविलोम	
	आस्तिक	नास्तिक	गुण	अवगुण
	उपकार	अपकार	छोटा	बड़ा
	प्रातः	सांय	शिक्षित	अनपढ़
	आशा	निराशा	दूर	पास
	कड़वा	मीठा	स्वर्ग	नरक
(ख)	पाप	पुण्य	सुबह	शाम
	खिलना	मुरझाना	रात	दिन
	लाभ	हानि	स्वस्थ	अस्वस्थ
	मान	अपमान	सूखा	गीला
	ऊँचा	नीचा	प्रश्न	उत्तर

(ग) 1. पश्चिम
2. गरमी
3. असत्य

पाठ-11 समानार्थी शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) समान अर्थ बनाने वाले शब्दों को समानार्थी शब्द कहते है।

(ख) शिष्य

लिखित

(क)

दिन	दिवस	वन	जंगल		
बालक	लड़का	लक्ष्मी	कमला		
पर्वत	दिवस	आग	अग्नि		

(ख)

पुत्र	बेटा	सुत	बाग	उपवन	कुँज
नाव	नौका	जलयान	इंद्र	देवराज	सुरेश

(ग) 1. देवनदी एक पवित्र नदी है।
2. इस बल्ब की ज्योति बहुत तेज है।
3. चंदन के वृक्ष में साँप रहते है।
4. सरोवर में बहुत मछलियाँ है।

आओ कुछ करें

प्रातः	सांय
दिनेश	दिनकर
चाँद	शशि

पाठ-12 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) भाषा को सरल व रोचक बनाने के लिए

(ख) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते है।

लिखित

(क)

1. कुम्हार	2. डॉक्टर	3. निडर	4. परिश्रमी
5. दैनिक	6. कहानीकार	7. सदाचार	8. गीतकार
9. आलसी	10. सर्वप्रिया		

(ख)
1. परोपकारी – दूसरों के हित का काम करने वाला
2. वार्षिक – वर्ष में एक बार होने वाला
3. विद्यार्थी – विद्या प्राप्त करने वाला
4. दर्शनीय – जो देखने योग्य हो।
5. संक्रामक – छूत से फैलने वाला रोग

6. हितैषी – दूसरों का हित चाहने वाला
7. साप्ताहिक – सप्ताह में एक बार होने वाला
8. किसान – खेतों में काम करने वाला

पाठ-13 मुहावरे

अभ्यास

मौखिक

(क) भाषा को आकर्षक और प्रभावशाली बनाने के लिए।

(ख) ऐसा वाक्यांश जो शाब्दिक अर्थ ना देकर विशेष अर्थ को प्रकट करे।

लिखित

(क) 1. श्री गणेश करना आरंभ करना
रमेश ने व्यापार का श्री गणेश कर दिया है।

2. आँखों का तारा बहुत प्यारा
गोपाल अपनी माँ की आँखों का तारा है।

3. छक्के छुड़ाना हरा देना
महाराणा प्रताप ने दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए।

4. पानी-पानी होना शर्मिंदा होना
रीना का सच सामने आते ही पानी पानी हो गई।

5. नानी याद आना बहुत परेशान होना
मोहित के घर का रास्ता ढूँढते ढूँढते नानी याद आ गई।

आओ कुछ करें

आँखों का तारा	अंगूँठा दिखाना
नाक में दम	हाथ मलना
उल्लू सीधा करना	दर्द का चाँद होना

पाठ-14 पत्र-लेखन

अभ्यास

मौखिक

(क) 23/11 नीति खण्ड,
नोएडा, गाजियाबाद,
दिनांक-26 नवंबर 2024,
चरण स्पर्श।

मैं यहा कुशलपूर्वक हूं और आशा करता हूं कि आप सब भी कुशल होंगे। जैसा कि आप जानते है कि मैं कंप्यूटर कक्षा में दाखिला लिया है। आज मैं आपको उसी से संबंधित

कुछ जानकारी देना चाहता हूं।

कंप्यूटर शिक्षा का महत्व आज की दुनिया में बहुत ज्यादा है। कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रोनिक डिवाइस है जिसका प्रयोग डाटा को स्टोर, प्रोसेस और डिसप्ले करने के लिए किया जाता है। कम्प्यूटर के प्रयोग ने आधुनिक तकनीक की मांग ने और भी अधिक बढ़ा दिया है।

कम्प्यूटर के दिमाग को सीपीयू कहा जाता है।

कम्प्यूटर को दो भागों में बांटा गया है : हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर। कम्प्यूटर से आप विभिन्न प्रकार के काम कर सकते हैं।

जैसे: प्रेजंटेशन बनाना, टेक्स्ट टाइप करना, एक्सेल पर आंकड़ो का हिसाब किताब रखना। इसी तरह की और भी जानकारी मैं समय-समय पर आपके समक्ष बताता रहूंगा। शेष कुशल है।

आपका प्यारा भतीजा

मनोहर शर्मा

(ख) 11/4, नागपुर,

19 जुलाई 2024

प्रिय राकेश,

आशा करता हूँ की तुम वहाँ ठीक होंगे और तुम्हारा स्वास्थ्य भी ठीक होगा। हम भी यहाँ ठीक है। खुशी की बात यह है कि मेरे बहन के विवाह की तैयारी चल रही है।

उसका विवाह 1 अगस्त को है। जिसकी तैयारी अभी से ही चल रही है। यह विवाह बहुत ही धूम-धाम से होने वाला है। क्योंकि विवाह में हमारे सभी मित्र-सम्बन्धी आ रहे है। मैं तुम्हे भी विवाह से काफी दिन पहले पत्र लिख रहा हूँ इसलिए तुम विवाह से ठीक एक सप्ताह पहले यहाँ आ जाना।

मैं तुम्हें इतना पहले इसलिए बुला रहा हूँ क्यूंकि हमे मिलकर विवाह की ढेर सारी तैयारियाँ करनी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम मेरे विश्वास पर खरे उतरोगे और मेरे बताये हुए समयानुसार तुम समारोह में आ जाओगे।

तुम्हारा प्रिय मित्र

शुभम

पाठ-15 कहानि-लेखन (पठन व अध्ययन हेतु)

पाठ-16 अपठित गद्यांश

अभ्यास

लिखित

1. यात्री रात गुजारने धर्मशाला गया।
2. दरवाजे का ताला केवल चांदी की चाबी से खुलता है।

3. चौकीदार का मतलब पैसे से था।

4. मुसाफिर-यात्री, इंतजाम-व्यवस्था।

पाठ-17 अनुच्छेद लेखन (पठन व अध्ययन हेतु)

प्रश्न पत्र - I

क 1.(iii) 2.(iv) 3.(ii) 4.(i) 5.(ii)

ख 1. संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनसे किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है; जैसे– वे, इसे, यह आदि।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनसे किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कोई, कुछ, किसी आदि।

3. एक से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्दों को बहुवचन कहते है; जैसे– लड़के, पुस्तकें, गेदें आदि।

4. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।

5. जिन संज्ञा शब्दों से किसी संपूर्ण जाति या वर्ग के प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध होता है, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते है; जैसे– गाँव, पुस्तक, बकरी, सेना आदि।

प्रश्न पत्र - II

(क) 1. खा रहा है। 2. उड़ रही है। 3. खेल रहे हैं।

(ख) 1. परिश्रमी 2. चिकित्सक 3. सभ्य

4. निडर 5. कहानीकार

(ग) आस्तिक - नास्तिक; अपकार - उपकार; गुण-अवगुण; छोटा-बड़ा;

(घ) दिन-दिवस ; नदी-सरिता; पर्वत-पहाड़; पानी-जल।

(ङ) प्रिय होना

(च) पृष्ठ संख्या-61 पाठ- 14

(छ) प्रदूषण

प्रदूषण विश्व की एक सबसे बड़ी समस्या है। प्रदूषण के कारण प्राकृतिक असंतुलन पैदा हो रहा है। यह हमारे पर्यावरण तथा जीवन के लिए हानिकारक है। प्रदूषण कई प्रकार के हो सकते है। वायु-प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण। प्रदूषण एक प्रकार ही धीमा जहर है जो हवा पानी, धूल आदि के माध्यम से न केवल मनुष्य वरन् जीव जंतुओं, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधो ओर वनस्पतियों को नष्ट कर रहा है। प्रदूषण को कम करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होगे, ओर अपने आस-पास सफाई रखनी होगी।

पाठमाला - 4

पाठ-1 भाषा और व्याकरण

अभ्यास

मौखिक

(क) मन के भावों और विचारों को बोलकर या लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करने के साधन को भाषा कहते हैं।

(ख) हमारी राजभाषा हिंदी है।

(ग) सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा जिसकी कोई लिपि नहीं होती।

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

(ख)

भाषा	–	हिंदी	अंग्रेजी	उर्दू
बोली	–	हरियाणवी	ब्रज	अवधी

(ग) 1. मन के भावो और विचारों को बोलकर या लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करने के साधन को भाषा कहते हैं।

2. आमने-सामने बैठे व्यक्ति परस्पर बातचीत करते हैं अथवा कोई व्यक्ति भाषण आदि द्वारा अपने विचार प्रकट करता है तो उसे भाषा का मौखिक रूप कहते हैं।

लिखित भाषा – जब व्यक्ति लिखकर अपने विचार प्रकट करता है, तब उसे भाषा का लिखित रूप कहते हैं।

3. लिपि – किसी भाषा को बोलने के समय मुख से जो ध्वनियां निकलती हैं और उनको जिन लेखन चिन्हों द्वारा व्यक्त किया जाता है, उसे लिपि कहते हैं।

4. व्याकरण – जिस विषय के अध्ययन से भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है उसे व्याकरण कहते हैं व्याकरण के तीन मुख्य भेद हैं वर्ण विचार, शब्द विचार ओर वाक्य विचार।

(घ)

भारतीय भाषाएँ	**विदेशी भाषाएँ**
कश्मीरी	फ्रेंच
गुजराती	चीनी
हिन्दी	अंग्रेजी
ओड़िया	

(ङ) 1. भाषा 2. उड़िया 3. पत्र-लेखन 4. तीन

5. देवनागरी

आओ कुछ करें–

- विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-2 वर्ण विचार

अभ्यास

मौखिक

(क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण कहते है।

(ख) वर्ण के तीन भेद है।

(ग) जिन ध्वनियों के उच्चारण में किसी और ध्वनियों की सहायता नहीं लेनी पड़ती।

(घ) जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓

(ख)

शब्द	**मात्रा**	**शब्द**	**मात्रा**
कान	आ	चेला	ए
कौआ	ओ, आ	प्रातः	आ, अः
मैना	ऐ	किताब	इ, आ
बगुला	उ, आ	अमीर	ई

(ग) 1. स्वर – i. स्वर वर्ण के उच्चारण में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है। ii. स्वर वर्णो की संख्या 11 होती है। iii. स्वर के दो भेद होते हैं।

व्यंजन – i. व्यंजन वर्ण के उच्चारण में स्वर वर्ण की सहायता ली जाती है। ii. व्यंजन वर्णो की संख्या 41 होती है। iii. व्यंजन के तीन भेद होते हैं।

2. अनुस्वार – वे वर्ण जिन्हें बोलने में वायु नाक से बाहर आती है तथा लिखते समय जिनके ऊपर बिंदु लगते हैं उन्हें अनुस्वार कहते हैं जैसे– अंडा, गंगा, कंघा, मंदिर आदि।

अनुनासिक – वे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय वायु नाक और मुंह दोनों से बाहर निकलती है, उन्हें अनुनासिक कहते हैं। लिखते समय उस वर्ण के ऊपर चंद्रबिंदु लगते हैं जैसे– ऊंट, अंगूठी, चाँद आदि।

3. जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। उन्हें व्यंजन कहते है। व्यंजन के तीन भेद होते है। i. स्पर्श व्यंजन ii. अंतःस्थ व्यंजन iii. ऊष्म व्यंजन।

(i) स्पर्श व्यंजन– जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जीभ को कंठ, तालु, मूर्धा, दाँत या होंठ को स्पर्श करना पड़ता है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं।

(ii) अंतःस्थ व्यंजन– जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जीभ मुख के किसी भाग को बहुत हल्का-सा स्पर्श करती है, उन्हें अंतःस्थ व्यंजन कहते हैं।

(iii) ऊष्म व्यंजन– जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय मुँह से गर्म श्वास निकलती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। श, ष, स तथा ह ऊष्म व्यंजन हैं।

4. ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिन्हें बोलने में कम समय लगता है उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं; जैसे– अ, इ, उ, ऋ।

दीर्घ स्वर – वे स्वर जिन्हें बोलने में अधिक समय लगता है उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। जैसे– आ, ई, ऊ।

(घ)

अ	ब
अं, अः	संयुक्त व्यंजन
य, र, ल, व	ऊष्म व्यंजन
श, ष, स, ह	अयोगवाह

(ङ)

प्य	प्याला	प्यारी	प्यास
न्य	न्यारा	न्यारी	न्यास
व्य	व्यापारी	व्यय	व्यास
ध्य	विद्यालय	ध्यान	अध्याय

(च)

ण	प्रण	कण	तृण
ड़	सड़क	भड़क	लड़क
ढ़	पढ़ना	ढ़लना	बढ़ना

(छ)

क्ष	कक्ष	भक्ष
त्र	सत्र	पत्र
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ

आओ कुछ करें

- 1. जवाहर 2. नाम 3. ताजमहल 4. भारत
- विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-3 शब्द-विचार

अभ्यास

मौखिक

(क) एक या एक से अधिक ध्वनियों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

(ख) उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं।

(ग) अर्थ के आधार पर शब्दों के दो भेद बताइए।

(घ) प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗

(ख) 1. एक या एक से अधिक ध्वनियों या वर्णो के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं; जैसे– लड़का, सूरत आदि।

2. हिंदी भाषा में, स्त्रोत या उद्‌गम के आधार पर चाार प्रकार के शब्द वर्गीकृत किये जा सकते हैं– तत्सम-पुत्र, अग्नि, सूर्य।

तद्भव-पूत, आग, सूरज। देशज-लोटा, डिबिया, फटफटिया। विदेशज-डॉक्टर, मरीज, कमरा।

(ग) तत्सम शब्द – घृत, कार्य, पत्र, कर्ण, दुग्ध, वर्ष, अग्नि, कर्म।

तद्‌भव शब्द – घी, सूरज, माथा, काम, गाँव, मुख, कान।

(घ) 1. घोड़ागाड़ी 2. चिड़िया घर 3. मकान 4. अकेला 5. तालाब

आओ कुछ करें–

- सूर्य तत्सम घर तद्‌भव दशानन तत्सम
  परदा विदेशज बेटा विदेशज तौलिया विदेशज
  डिबिया तद्‌भव डॉक्टर विदेशज कसम तद्‌भव
  स्कूल विदेशज ज़मीन विदेशज कनक तत्सम
  टी॰ वी॰ विदेशज लड़की तद्‌भव खाना तद्‌भव
  ऊपर तद्‌भव
- इमली मक्खन टमटम मटर

पाठ-4 संज्ञा

अभ्यास

मौखिक

(क) किसी स्थान जाति या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं।

(ग) जिस शब्द के द्वारा वस्तु या व्यक्ति की जाति का पता चले उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है।

(घ) जिस शब्द के द्वारा किसी विशेष प्राणी वस्तु का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है।

लिखित

(क) 1. जातिवाचक संज्ञा – पशु श्रीदेवी महात्मा गांधी

2. भाववाचक संज्ञा – बुढापा प्रसन्नता मूर्खता

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा – लालकिला रामायण दिल्ली

(ख) 1. पशु – जातिवाचक

2. सुभाषचंद्र बोस – व्यक्तिवाचक संज्ञा

3. इंडिया गेट – व्यक्तिवाचक संज्ञा

4. ईमानदारी – भाववाचक संज्ञा

(ग) 1. जिस शब्द के द्वारा किसी विशेष प्राणी वस्तु अथवा स्थान का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– दिल्ली, राधा, रामायण आदि।

2. जिस संज्ञा शब्द के द्वारा किसी वस्तु या व्यक्ति की संपूर्ण जाति या वर्ग का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– पुस्तक, नदी, पशु आदि।

3. जिस शब्द से किसी गुण दोष स्थिति अथवा अवस्था का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं जैसे बचपन, खुशी, बुढ़ापा आदि।

(घ)

जातिवाचक	**भाववाचक**
दास	दासत्व
देव	देवत्व
भाई	भाईचारा
बूढ़ा	बूढ़ापा
सेवक	सेवा

(ङ)

विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**
कंजूस	कंजूसी
भूखा	भूख
मोटा	मोटापा
प्यासा	प्यास
गरीब	गरीबी
चौड़ा	चौड़ाई

(च) 1. सेब – यह सेब बहुत मीठा है।

2. होली – होली रंगों का त्योहार है।

3. ताजमहल – ताजमहल आगरा में है।

4. दिल्ली – दिल्ली भारत की राजधानी है।

5. पेड़ – बंदर पेड़ पर बैठा है।

6. चिड़िया – चिड़िया दाना खाकर उड़ गई।

7. चूहा – चूहा अपने बिल में जा छुपा।

(छ) 1. व्यक्तिवाचक 2. भाववाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. जातिवाचक

आओ कुछ करें

- **संज्ञा शब्द** – बुढ़ापा, लालकिला, शेर, आगरा, चुहिया, ताजमहल, हिरन

पाठ-5 लिंग

अभ्यास

मौखिक

(क) शब्द के जिस रूप से उसकी जाति का पता चले उसे लिंग कहते है।

(ख) लिंग के दो भेद है– स्त्रीलिंग और पुल्लिंग।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

लिखित

(क)

नर	नारी
चाचा	चाची
नायक	नायिका
लेखक	लेखिका
दास	दासी
ग्वाला	ग्वालिन

(ख)

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
ऊँट	ऊँटनी	माली	मालिन
वीर	वीरागंना	कवि	कवयित्री
सम्राट	सम्राज्ञी	तपस्वी	तपस्विनी
पड़ोसी	पड़ोसिन	शिक्षक	शिक्षिका
गुणवान	गुणवती	बुद्धिमान	बृद्धिमति
कुम्हार	कुम्हारिन	बंदर	बंदरिया

(ग)

मोर	पुल्लिंग	हिरणी	स्त्रीलिंग
ठकुराइन	स्त्रीलिंग	दादी	स्त्रीलिंग
पंडित	पुल्लिंग	कुम्हारिन	स्त्रीलिंग
हंस	पुल्लिंग		

(घ) 1. शब्द के जिस रूप से पुरुष या जाति होने का बोध हो उसे लिंग कहते हैं; जैसे– कुत्ता, शेर, अध्यापक, राजा, लड़की, नानी आदि।

2. पुल्लिंग – पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को पुल्लिंग कहते हैं; जैसे– घोड़ा, कुत्ता, बेटा, तोता, मित्र।

   स्त्रीलिंग – स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे– गाय, बेटी, मैना, सहेली, दादी, चील आदि।

3. सदैव स्त्रीलिंग रूप में रहने वाले शब्द जैसे– हिंदी नवमी क्रिकेट अंग्रेजी।

   सदैव पुल्लिंग रूप में रहने वाले शब्द जैसे– मोती, यूरोप, राजस्थान, काला सागर

आदि।

(ङ) 1. शाम 2. माता 3. चील 4. आवाज 5. कक्षा

(च) 1. सिंहनी अपने बच्चों के साथ घूम रही है।

2. मेरी सहेली बहुत अच्छी लेखिका है।

3. रोज सुबह मालिन फूल चुनकर लाती है।

4. मैं बड़ा होकर अच्छा लेखक बनुँगा।

पाठ-6 वचन

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों में व्यक्ति या वस्तु के एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उन्हें वचन कहते है।

(ख) वचन के दो भेद होते हैं।

लिखित

(क) 1. लड़कियों 2. बहनो 3. बच्चे 4. फूलों

5. महिलाएँ 6. मिठाइयाँ 7. कपड़ों 8. कहानियाँ

(ख)

एकवचन	**बहुवचन**
घड़ी	ताले
बकरी	थालियाँ
तितली	कपड़े
महिला	शाखाएँ
कविता	लताएँ

(ग) 1. कन्याएँ 2. मिठाइयाँ 3. गाएँ 4. दिशाएँ

5. कौए 6. आँखें 7. महिलाएँ 8. मेजें

9. घोड़े 10. नदियाँ 11. माताएँ 12. बहुएँ

13. सीढ़ियाँ 14. कहानियाँ 15. बूँदें 16. वस्तुएँ

(घ) 1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या में एक या उससे अधिक होने का बोध हो उसे वचन कहते हैं; जैसे– लड़का-लड़के, नदी-नदियां, पुस्तक-पुस्तके आदि।

2. एकवचन– शब्द के जिस रूप से वस्तु का संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एक वचन कहते हैं; जैसे– लड़का, गुब्बारा, टोकरी, गाड़ी, फूल, तितली, पौधा आदि।

बहुवचन– शब्द के जिस रूप से वस्तु का संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे– लड़के, गुब्बारे, टोकरियाँ, गाड़ियाँ, फूलों, तितलियाँ, पौधे आदि।

(ङ) 1. बच्चे गुब्बारे खरीद रहे हैं।
2. टोकरियों में सेब रखे है।
3. सड़क पर गाडियाँ जा रही है।
4. पौधे उग रहे है।
5. फूलों पर तितलियाँ बैठी है।

आओ कुछ करें

- **एकवचन** **बहुवचन**

चूहा	चूहें
तितली	तितलियाँ
कली	कलियाँ
दिशा	दिशाएँ
बकरी	बकरियाँ
नदी	नदियाँ
नल	नलों
टहनी	टहनियाँ

- **एक** **अनेक**

चिड़िया	तोतें
गुलाब	बच्चें
सेब	तालें
बकरी	पुस्तकें
अध्यापिका	चिड़ियाँ
कुत्ता	

- एकवचन किताब बहुवचन किताबों
- बहुवचन
- एकवचन प्रधानाध्यापक बहुवचन अध्यापक

पाठ-7 कारक

अभ्यास

मौखिक

(क) संज्ञा अथवा सर्वनाम का आपस में तथा क्रिया के साथ संबंध प्रकट करने वाले चिन्ह कारक कहलाते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद हैं।

लिखित

(क) 1. ने, को 2. ने, को 3. पर 4. और, ने

(ख)

कर्त्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
संप्रदान	के लिए, को
अपादान	से (अलग होना)
संबंध	का, की, के
अधिकरण	में, पर
संबोधन	हे! अरे!

(ग) 1. करण 2. करण 3. अपादान 4. अपादान
5. करण 6. कर्त्ता 7. कर्त्ता 8. अधिकरण
9. संबोधन

(घ)

कर्त्ता	ने
कर्म	को
करण	के द्वारा
संप्रदान	के लिए
अपादान	को
संबंध	का, की, के
अधिकरण	में
संबोधन	हे, अरे

(ङ) 1. जो कारक काम कर रहा हो उसे कर्त्ता कारक कहते हैं; जैसे– राम ने पुस्तक खरीदी इस वाक्य में राम कर्त्ता है।

2. जिस साधन के द्वारा काम हो उसे करण कारक कहते है; जैसे– राधा ने कलम से पत्र लिखा! इस वाक्य में कलम करण कारक है।

आओ कुछ करें–

1. हिरन ने शेर को मारा
2. पेड़ से पत्ते गिरते है।
3. छात्रा कलम से पत्र लिख रही है।

पाठ–8 सर्वनाम

अभ्यास

मौखिक

(क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते है, उन्हें सर्वनाम कहते है।

(ख) सर्वनाम का प्रयोग वाक्य को सुंदर और सरल बनाने के लिए किया जाता है।

(ग) सर्वनाम के छह भेद हैं।

लिखित

(क) 1. ये 2. कुछ 3. कौन 4. वह

(ख) 1. निश्चयवाचक 2. पुरुषवाचक 3. पुरुषवाचक 4. संबंधवाचक
5. अनिश्चयवाचक

(ग) 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होते है उन्हें सर्वनाम कहते हैं; जैसे– मैं, तुम, वह, कोई आदि।

2. सर्वनाम के छः प्रकार है– 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम।

3. वे सर्वनाम जो सुनने वाले बोलने वाले या अन्य किसी व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं जैसे– मैं, तुम, वह आदि।

4. निश्चयवाचक सर्वनाम– वे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, वह आदि।
अनिश्चयवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कुछ, किसी आदि।

(घ) अक्षत और गीता भाई-बहन थे। वह एक दूसरे के साथ प्यार से रहते थे। उनके दादा-दादी उनको बहुत प्यार करते थे। एक दिन अक्षत और गीता के दादाजी ने कहा, तुम दोनों को सुबह जल्दी उठकर व्यायाम करना चाहिए। इससे तुम दोनों स्वस्थ रहोगे।

आओ कुछ करें–

- उसका – यह उसका पैन है।
  अपना – मैने अपना काम कर लिया है।
  किसने – ये मिठाइयाँ किसने बनाई?
  हमारा – हमारा भारत सबसे प्यारा है।
- मैं, मेरा, मुझे।

पाठ-9 विशेषण

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते है।

(ख) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।

(ग) विशेषण के चार भेद है– i. गुणवाचक विशेषण ii. संख्यावाचक विशेषण iii. परिमाणवाचक विशेषण iv. सार्वनामिक विशेषण।

लिखित

(क)

विशेषण	**विशेषण**
शिक्षित	दैनिक
नैतिक	घरेलु
धार्मिक	पक्षपात
दयावान	शैश्व

(ख)
1. सुंदर – यह बहुत सुंदर महल है।
2. नया – माँ नया बैग खरीद लाई।
3. रोगी – रोगी को आराम करने दो।
4. बड़ा – यह एक बड़ा कार्यक्रम है।
5. ईमानदार – ये लोग बहुत ईमानदार है।

(ग) 1. नीली 2. ताजा 3. मोटा

(घ) 1. विशेषण-संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं; जैसे– लंबा, अच्छा, सुंदर, काला आदि।

विशेष्य– जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे– मीठे आम, सुंदर गुड़िया, चालाक लोमड़ी। इन सभी में आम, गुड़िया एवं चालक विशेष्य शब्द है।

2. सर्वनाम– वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण– वह घूमने गया है।

सार्वनामिक विशेषण– वैसे शब्द जो सर्वनाम वाक्य में विशेषण की तरह प्रयुक्त होकर संज्ञा की ओर संकेत करते हुए विशेषता बताता है। उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

3. गुणवाचक विशेषण– वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, काल आकार, स्थिति, दिशा, स्वाद तथा अवस्था आदि से संबंधित विशेषता बताते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे– मीठे अंगूर, काली कोयल, भला मानस।

(ङ)

ताकतवर शेर	सफेद खरगोश	लाल टमाटर
चालाक लोमड़ी	ठंडी आइस्क्रीम	गरम चाय

आओ कुछ करें–

- विद्यार्थी स्वयं करें।

गुणवाचक	**संख्यावाचक**	**परिमाणवाचक**	**सार्वनामिक**
सच्चा	दो	मुट्ठी भर	ये
झूठा	एक	सेर भर	वे
मीठा	सौ	थोड़ी	जैसा

पतला पचास ज्यादा वैसा

- विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-10 क्रिया

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो उन्हें क्रिया कहते हैं।

(ख) क्रिया के दो भेद हैं– i. सकर्मक ii. अकर्मक

(ग) क्रिया के रूप में परिवर्तन लिंग तथा वचन के अनुसार होता है।

लिखित

(क)

सकर्मक	**अकर्मक**
पढ़ना	सोना
लिखना	बैठना
काटना	जागना
पीना	उठना
खाना	हँसना

(ख) 1. अकर्मक 2. विकारी 3. पुल्लिंग 4. एकवचन

(ग) 1. रोना 2. सोना 3. खाना 4. हँसना 5. पढ़ना

(घ) क्रिया शब्द – रोना, काटना, हँसना, पढ़ना, नाचना, खेलना, लिखना, खाना।

(ङ) 1. जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चले, उन्हें क्रिया कहते है; जैसे– हंसना, बोलना, गाना, उठना, बैठना, चलना आदि।

2. सकर्मक क्रिया – जिस वाक्य में क्रिया के साथ कर्म भी होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– मोहन दूध पीता है।

3. अकर्मक क्रिया – जिस वाक्य में क्रिया के साथ कर्म नहीं होता उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– शालिनी हंसती है, घोड़ा भागता है।

(च) विद्यार्थी स्वयं करें।

(छ) 1. जाऊँगा 2. खेलें 3. खिले है। 4. सुनाई

आओ कुछ करें

- 1. सकर्मक 2. अकर्मक 3. सकर्मक 4. अकर्मक
  5. सकर्मक

पाठ-11 काल

अभ्यास

मौखिक

(क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद है– i. वर्तमान काल ii. भूतकाल iii. भविष्यत् काल।

लिखित

(क) 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. वर्तमान काल
4. भविष्यत् काल 5. वर्तमान काल

(ख) 1. वर्तमान काल – वर्तमान काल अर्थात वह समय जो चल रहा है। क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान समय में होने का पता चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं। इन वाक्यों में "रही है" और "रहा है" क्रिया शब्द से वर्तमान समय का बोध होता है।

2. क्रिया के जिस रूप से काम के सामान्य रूप से बीते समय में पूरा होने का बोध हो, उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं; जैसे– मोहन आया, सीता गयी।

3. क्रिया के जिस रूप से काम का आने वाले समय के बारे में पता चलता हो वह भविष्य काल की क्रिया कहलाती है। वह कल घर जाएगा।

आओ कुछ करें–

- 1. मैंने गाना गाया था। 2. मैं बाजार आ रहा हूँ।
  3. मैं दिल्ली जाऊँगा। 4. राम दिल्ली गया था।
  5. वह खाना बना रहा है। 6. गीता मैच देखेगी।
  7. बच्चे स्कूल जा रहे है। 8. मोहन तैयार हो चुका था।
- विद्यार्थी स्वयं करें।
-

भूतकाल	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
दौड़ा	दौड़ता	दौड़ेगा
बेचा	बेचता	बेचेगा
खरीदा	खरीदता	खरीदेगा
गया	जाता	जाएगा
नहाया	नहाता	नहाएगा
बजाया	बजाता	बजाएगा

पाठ-12 विराम-चिह्न

अभ्यास

मौखिक

(क) लिखते समय विराम स्थिति को दर्शाने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) अपनी बात को सही ढंग से कहने या समझने के लिए विराम चिन्हों का प्रयोग किया

जाता है।

लिखित

(क) (?) प्रश्नवाचक (!) विस्मय सूचक

(,) अल्प विराम (।) पूर्ण विराम

(ख) 1. महात्मा गाँधी को भारत का राष्ट्रपिता कहते हैं।

2. वाह! कितना सुंदर चित्र है।

3. तुम्हारा नाम क्या है?

4. उसने मुझे चॉकलेट आइसक्रीम और टॉफियाँ दीं।

5. कुतुबमीनार दिल्ली में है।

6. स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है।

7. हमारे देश में सभी ऋतुएँ आती हैं।

8. हमारा राष्ट्रीय पशु बाघ है।

(ग) 1. बात को कहते समय बीच-बीच में रुकना विराम स्थिति कहलाता है। हम बिना विराम लिए अपनी बात किसी को सही प्रकार से नहीं समझ सकते।

2. हमारे पास कई तरह के विराम चिन्ह होते हैं जैसे, पूर्ण विराम हम अपनी बात पूरी होने पर लगाते हैं अल्पविराम हम अपनी बात को बीच में थोड़ा रुकने के लिए लगाते हैं, विस्मयसूचक अपने भावों को प्रकट करने के लिए लगाते हैं, और प्रश्नवाचक किसी प्रश्न को पूछने के लिए।

3. पूर्ण विराम (।) अल्प विराम (,) प्रश्नसूचक (?) विस्मयसूचक (!)

(घ) 1. पूर्ण विराम (ii) ।

2. अल्प विराम (iv) ,

3. विस्मयसूचक चिह्न (i) !

4. प्रश्नवाचक चिह्न (iii) ?

आओ कुछ करें–

प्रश्नवाचक (?)

1. तुम कहाँ रहते हो?

2. माँ बाजार से क्या लाई?

अल्प विराम (,)

1. सुनो, जरा इधर आओ।

2. अरे, ये क्या हो रहा है?

पूर्ण विराम (।)

1. मैं भारत का वासी हूँ।
2. अनुज मंदिर गया।

विस्मयसूचक चिह्न (!)

1. हे प्रभु! अब क्या होगा?
2. वाह! कितना सुंदर भवन है।

पाठ-13 विलोम शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।

लिखित

(क) 1. अधर्म 2. अपमान 3. मृत्यु 4. दुर्जन 5. रंक

(ख) 1. बेच 2. पाताल 3. कोमल 4. परतंत्र 5. मरण
6. विष 7. निराश 8. अनादर

(ग)

	शब्द	विलोम शब्द	शब्द	विलोम शब्द
1.	अ	मान	आदर	अनादर
2.	अन	मोल	जान	अनजान
3.	कु	रीती	संगत	कुंसगत

(घ) 1. निरूत्साह 2. निरादर 3. अधर्म 4. अमीर 5. व्यय
6. कोमल 7. अवगुण 8. दुर्गंध

(ङ) 1. मूर्ख 2. अनुपस्थित 3. उत्तर 4. प्रश्न

आओ कुछ करें

शब्द	विलोम शब्द	शब्द	विलोम शब्द
मित्र	शत्रु	आशा	निराशा
गुण	अवगुण	ऊपर	नीचे
सत्य	असत्य	अपना	पराया
आदर	निरादर	धर्म	अधर्म
अमृत	विष	ओछल	प्रकट

पाठ-14 पर्यायवाची शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) वे शब्द जो समान अर्थ का बोध कराते हैं, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

लिखित

(क) 1. वस्त्र 2. शिव 3. जलधि

(ख)

	शब्द		पर्यायवाची शब्द		
1.	गणेश	–	गजानन	गणपति	विनायक
2.	पुत्री	–	सुता	कन्या	अंगजा
3.	सूर्य	–	रवि	दिनेश	सूरज
4.	चंद्रमा	–	शशी	चाँद	मयंक
5.	गृह	–	घर	आवास	भवन

(ग)

लंकेश	रावण
ज्योति	प्रकाश
अश्व	घोड़ा
भगवान	ईश्वर
दामिनी	बिजली
आसमान	नभ

आओ कुछ करें

- आँख – नयन चक्षु
  जल – पानी नीर
  आकाश – नभ अंबर
- धेनु अंब भवन

पाठ-15 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) भाषा का सौंदर्य बढ़ाने के लिए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

(ख)

शब्द		शब्द-समूह
कुशाग्रबुद्धि	–	तेज बुद्धि वाला

चिकित्सक – जो रोगी की चिकित्सा करे

विधुर – जिसकी पत्नी मर गई हो

दयालु – जो दया के साथ है

घृणास्पद – घृणा के योग्य

(ग)

आकाश को चूमने वाला	गगनचुंबी
बहुत मेहनत करने वाला	परिश्रमी
मीठा बोलने वाला	मृदुभाषी
विदेशों को माल भेजना	निर्यात
जो मिल न सके	अलभ्य

(घ) 1. गांधी जी अद्वितीय है।

2. ये शीशा अपारदर्शी है।

3. रामू बेसहाय है।

4. राधा विधवा है।

आओ कुछ करें

- 1. प्रतिदिन 2. विद्यार्थी 3. अध्यापक

पाठ-16 मुहावरे

अभ्यास

मौखिक

(क) सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ का बोध कराने वाले वाक्यांश मुहावरे कहलाते हैं।

(ख) मुहावरों के प्रयोग से वाक्य अधिक अर्थपूर्ण व प्रभावशाली बन जाते हैं, इसलिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

(ख) 1. कलेजा ठंडा होना – अर्थ – मन को संतोष होना
वाक्य – अपनी मेहनत का परिणाम देखकर किसान का कलेजा ठंडा हो गया।

2. उँगली पर नचाना – अर्थ – अपनी इच्छा अनुसार चलाना
वाक्य – सीमा सबको अपनी अँगूली पर नचाती है।

3. जान-हथेली पर रखना – अर्थ – मृत्यु की परवाह न करना
वाक्य – फौजी हमेशा अपनी जान हथेली पर रखते है।

4. आँखों में धूल झोंकना – अर्थ – धोखा देना

वाक्य – नौकर मालिक की आखों में कब धूल झोंक रहा था।

5. आँखें नीली-पीली करना – अर्थ – नाराज़ होना

वाक्य – रमेश अपनी माँ की नीली-पीली आँखों से डरता है।

(ग) 1. मूर्ख 2. संदेहपूर्ण 3. मृत्यु की परवाह न करना

4. झूठी तारीफ करना

(घ)

इधर-उधर की हाँकना	गप्पे मारना
खून खौलना	जोश में आना
चार-चाँद लगाना	शोभा बढ़ाना
रंग उड़ना	घबरा जाना
कमर टूटना	हिम्मत टूट जाना
खून-पसीना एक करना	कड़ी मेहनत करना

आओ कुछ करें

- विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-17 पत्र-लेखन

अभ्यास

मौखिक

(क) पत्र लेखन के द्वारा हम दूर बैठे अपने प्रियजनों तक अपने संदेश भेजते हैं यह निजी जीवन तथा सामाजिक जीवन दोनों में ही विशेष उपयोगी हैं।

(ख) व्यक्तिगत पत्रों को हम अनौपचारिक पत्र भी कहते हैं।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗

(ख) १२५, विकासनगर,

लखनऊ - ७५

दिनांक : १८/०३/२०२३

प्रिय राजेश,

सप्रेम नमस्ते!

कल तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। पत्र पढ़कर मन खुशी से झूम उठा। अंर्तविद्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पाने पर मेरे पूरे परिवार की तरफ से बधाई स्वीकार करो।

कविता लिखने में तुम्हारी शुरू से ही रूचि रही है। तुम्हारी कविताएँ विद्यालय की पत्रिका व समाचार पत्रों में भी छप चुकी हैं। तुम्हारी कवितायें लोगों के मन को छू लेती है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम इसी प्रकार नित नयी उचाईंयां प्राप्त करो।

आपके माता-पिता को मेरी तरफ सादर प्रणाम तथा छोटी बहन रिया को ढेर सारा प्यार!

तुम्हारा मित्र

रजनीश सिंह

(ग) ।-१८७, बदरपुर,

लाल कुआं,

नई दिल्ली।

दिनांक १२ अगस्त,

प्रिय छोटे भाई

आशा करती हूँ कि तुम सकुशल होगें। आज ही तुम्हारे अध्यापक का पत्र मिला था। यह जानकर मुझे बहुत दु:ख हुआ कि तुम अपना अधिकतर समय खेल-कूद में निकाल देते हो।

प्रिय भाई समय एक बार निकल जाता है तो फिर वापस कभी नहीं आता, समय एक अमूल्य धन है।

जो इंसान समय की कदर नहीं करता उसे बाद में बहुत पछताना पड़ता है। जिसने समय की कदर को नहीं पहचाना, उसने बाद में असफलताएं ही मिली है। समय किसी का भी इंतजार नहीं करता है। समय की धारा बहुत तेज होती है। अत: जो इसका सही उपयोग करता है, वो आगे एक महान व्यक्ति बनता है।

अभी तुम बहुत छोटे हो, इसलिए मैने यह सब तुम्हें बताने के लिए लिखा है। विद्या से मुंह मोड़ कर तुम अपना समय बर्बाद कर रहे हो। अत: अपने समय का सदुपयोग करो, अपने काम नियमित रूप से करो और मन लगाकर खूब पढ़ो।

तुम्हारी बड़ी बहन

सरीन

पाठ-18 कहानी-लेखन

अभ्यास

मौखिक

(क) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) "हमें मुसीबत के समय बुद्धि से काम लेना चाहिए, क्योंकि बुद्धि बल से श्रेष्ठ होती है।"

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-19 अपठित गद्यांश

अभ्यास

लिखित

1. रमजान के महीने के बाद।
2. इस पूरे महीने मुसलमान भाई रोज़े रखते हैं।
3. रोज़ों के बाद दिखाई देने वाले चाँद को ईद का चाँद कहते है।
4. ईद की नमाज ईदगाह में पढ़ी जाती है।
5. राजू नौकरी लगते ही ईद का चाँद हो गया है।

पाठ-20 अनुच्छेद-लेखन (पठन व अध्ययन हेतु)

प्रश्न पत्र - I

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ख) 1. माँ 2. घर 3. घी 4. उल्लु 5. कंकड़
6. घड़ा 7. चोंच 8. आगे 9. घोड़ा 10. चाँदनी
11. काठ 12. तोता 13. काम 14. आग

(ग) 1. युवक 2. मित्रता 3. भक्ति 4. घरेलु 5. नारीत्व
6. बूढ़ापा 7. पौरूष 8. प्रभुता

(घ) 1. पुल्लिंग – शब्द का वह रूप जिससे पता लगाया जाता है कि व पुरुष जाति का है, उन्हें पुल्लिंग कहा जाता है। लड़का तोता पंखा आदि।

स्त्रीलिंग – शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की स्त्रीजाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे– छात्रा, चाची, बुढ़िया, नौकरानी, घास, खिड़की आदि।

2. जिस शब्द के द्वारा किसी व्यक्ति या वस्तु की संख्या बताई जाती हो, उसे वचन कहते हैं। वचन व्याकरण का महत्वपूर्ण भाग है जो भाषा को संरचित ओर समझने में सहायता प्रदान करता है; जैसे– एकवचन-लड़का खेल रहा है। और बहुवचन - लड़के खेल रहे हैं।

3. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं।

प्रश्न पत्र - II

(क) 1. (i) 2. (ii) 3. (ii) 4. (ii) 5. (i)

(ख) 1. अरे! तुम कब आए?

2. तुम्हारे साथ कौन है?

3. लाल, पीले, गुलाबी रंग के गुलाब मुझे बहुत पसंद हैं।

4. मेरा नाम नेहा है।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठमाला - 5

पाठ-1 भाषा और व्याकरण

अभ्यास

मौखिक

(क) अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर, लिखकर या पढ़कर प्रकट करने के माध्यम को भाषा कहते हैं।

(ख) मौखिक, लिखित और सांकेतिक।

(ग) इसलिए व्याकरण पढ़ना आवश्यक है।

लिखित

(क) 1. मौखिक (ख) बोली (ग) राजभाषा (घ) देवनागरी

(ख)

संस्कृत	बांग्ला
मलयालम	पंजाबी
नेपाली	मैथिली
उड़िया	असमिया
तेलुगु	हिंदी

(ग)

हिंदी	देवनागरी	उर्दू	फ़ारसी	अंग्रेज़ी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी	मराठी	देवनागरी	पंजाबी	गुरूमुखी

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

(ङ) 1. अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर, लिखकर या पढ़कर प्रकट करने के माध्यम को भाषा कहते हैं। भाषा तीन प्रकार की होती है– मौखिक, लिखित और सांकेतिक।

2. एक सीमित क्षेत्र की अपनी एक विशेष भाषा होती है, जिसे बोली कहते हैं जैसे– अवधी, ब्रज, हरियाणवी, खड़ी बोली आदि।

3. भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं। किसी भाषा को लिखने के लिए हम जिन ध्वनि (वर्णो) चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उन्हें उस भाषा की लिपि कहते हैं। भाषा और लिपि में गहरा संबंध है। प्रत्येक भाषा को अपनी एक लिपि होती है।

4. जो शास्त्र हमें वर्णों, शब्दों और वाक्यों के शुद्ध प्रयोग की जानकारी देता है, व्याकरण कहलाता है।

पाठ-2 वर्ण विचार

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन ध्वनियों के खंड या टुकड़े नहीं किए जा सकते, उन्हें वर्ण कहते हैं।

(ख) वर्ण के दो भेद होते है– 1. स्वर 2. व्यंजन

(ग) अ रहित व्यंजन को लिखने के लिए हलंत का प्रयोग किया जाता है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ख) 1. अ 2. 52 3. ट, ड, ढ 4. ँ, :

(ग)

अ	इ
आ	ई
क्ष	त्र
च्च	क्क
अं	अः

(घ) 1. जिन ध्वनियों के खंड या टुकड़े नहीं किए जा सकते, उन्हें वर्ण कहते हैं।

दाना – द् + आ + न् + आ

खाना – ख् + आ + न् + आ

2. किसी भाषा के वर्णों का निश्चित और क्रमबद्ध समूह वर्णमाला कहलाता है। हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण है।

3. जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।

ह्रस्व स्वर– जिन स्वरों के उच्चारण में कम से कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते है।

दीर्घ स्वर– जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों की अपेक्षा अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।

4. जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। व्यंजन के तीन भेद हैं– 1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन।

5. विसर्ग (:) – संस्कृत से हिंदी में आए शब्दों में प्रायः विसर्ग का प्रयोग किया जाता है और उन्हें बोलते समय ह् ध्वनि उत्पन्न होती है; जैसे– स्वतः, अतः, प्रायः आदि।

अनुनासिक (ँ) – इसे चंद्रबिंदु भी कहते हैं। इसका उच्चारण करते समय वायु नाक और मुख दोनों से बाहर निकलती है। ये व्यंजनों के साथ स्वर की मात्रा के रूप में आता है; जैसे– गाँव, चाँद, साँप, मुँह आदि।

(ङ)

1.	हसना	हँसना	6.	पख	पंख
2.	आवला	आँवला	7.	ऊचा	ऊँचा

3.	शख	शंख	8.	प्रात	प्रातः
4.	बदर	बंदर	9.	साय	सायं
5.	प्राय	प्रायः	10.	पाच	पाँच

(च) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-3 वर्ण-संयोग

अभ्यास

मौखिक

(क) वे चिह्न जो स्वरों को व्यंजनों से जोड़ते समय लगाए जाते हैं, उन्हें मात्रा कहते हैं।

(ख) र् में स्वर नहीं होने पर यह अपने से आगे वाले व्यंजन के ऊपर चला जाता है ओर इसका रूप ( ) हो जाता है। र् का यह रूप रेफ कहलाता है।

(ग) 'क' वर्ग, 'व' वर्ग, 'ट' वर्ग, 'त' वर्ग तथा 'प' वर्ग के पाँचवें अक्षर (वर्ण) को पंचमाक्षर कहते हैं।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(ख)

	व्यंजन	पाई हटाने पर	+	अन्य व्यंजन	शब्द
1.	ख	ख	+	ख + य	ख्याल
2.	ग	ग	+	ग + ध	दुग्ध
3.	घ	घ	+	घ + न	कृतघ्न
4.	ल	ल	+	ल + ब	बल्ब
5.	भ	भ	+	भ + य	सभ्यता

(ग)

		मात्रा	शब्द	
1.	अ	ा	मटर	शहर
2.	इ	ि	पिन	दिन
3.	ई	ी	मछली	नकली
4.	ऋ	ृ	मृग	नृप
5.	औ	ौ	पौधा	नौका

(घ)

ट	–	ट्रेन	द	–	द्रव्य
ड	–	ड्रम	ह	–	ह्रस्व

(ङ) 1. वे चिह्न जो स्वरों को व्यंजनों से जोड़ते समय लगाए जाते हैं, उन्हें मात्रा कहते हैं। तोता = त् + ओ + त् + आ पुल = प् + उ + ल् + अ

2. जब व्यंजन को व्यंजन से मिलाते हैं, तो इनके बीच स्वरों का लोप हो जाता है।

इन व्यंजनों को आधा लिखा जाता है; जैसे– भाग्य, कल्प आदि।

3. किसी स्वर रहित व्यंजन के बाद जब र पूरा हो, तो उसे (्र) के द्वारा दर्शाया जाता है। इसे निम्नलिखित चार प्रकार से दिखाया जाता है

(क) खड़ी पाई वाले व्यंजनों के साथ (्र) की तरह दिखाया जाता है; जैसे– क् + न् + अ + म् + अ = क्रम

(ख) 'द्' और 'ह्' जैसे व्यंजनों के साथ 'र' का रूप 'द्र' तथा 'ह्र' हो जाता है; जैसे– द् + र + अ + व् + अ = ट्रक

(ग) 'ट्' तथा 'ड्' के साथ 'र' का रूप 'ट्र' तथा 'ड्र' हो जाता है; जैसे– ट् + र् + अ + क् + अ = ट्रक

(घ) 'श्' के साथ 'र' जोड़ने पर 'श्र' होता है, किंतु इसके लिए श्र का प्रयोग करते हैं; जैसे– श् + र् + अ + म् + अ = श्रम

पाठ-4 शब्द-विचार

अभ्यास

मौखिक

(क) अर्थ के आधार पर शब्द के चार भेद हैं–

1. समानार्थी शब्द 2. विपरीतार्थी शब्द
3. एकार्थी शब्द 4. अनेकार्थी शब्द

(ख) रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं।

1. रूढ़ शब्द 2. यौगिक शब्द 3. योगरूढ़ शब्द

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं–

1. तत्सम् शब्द 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द 4. विदेशी शब्द

(घ) प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद है।

1. विकारी शब्द 2. अविकारी शब्द

(ङ) यौगिक शब्द– वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बनते हैं और जिनके खंडो का अर्थ होता है, यौगिक शब्द कहलाते हैं; जैसे– विद्यालय – विद्या + आलय।

योगरूढ़ शब्द– दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों के मेल से बनने वाले ऐसे शब्द, जो किसी विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते है; जैसे– चक्रपाणि – चक्र है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात् विष्णु।

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ख)

तत्सम्	तद्भव	देशज	विदेशी
कृषक	खिचड़ी	छटपटाना	कॉलेज

चर्म	आम	सटकना	तोप
सर्प	लकड़ी	कान	रिश्वत
घृणा	ऊँचा	खिचड़ी	

(ग) 1. वह वर्ण समूह जिसका कोई सार्थक अर्थ होता है, उसे शब्द कहते हैं।

हिंदी भाषा में शब्द के चार भेद हैं– 1. अर्थ के आधार पर 2. रचना के आधार पर 3. उत्पत्ति के आधार पर 4. प्रयोग के आधार पर

2. अर्थ के आधार पर शब्द के चार भेद हैं–

समानार्थी शब्द – वे शब्द जिनके अर्थों में समानता होती है, समानार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे– हवा – वायु, समीर, पवन।

विपरीतार्थक शब्द– वे शब्द जो अर्थ और प्रयोग की दृष्टि से एक-दूसरे के विपरीत होते हैं, उन्हें विपरीतार्थक शब्द कहते हैं। जैसे– उलटा-सीधा।

एकार्थी शब्द– वे शब्द जिनका अपना एक ही अर्थ होता है, एकार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे– सोफा, बाल्टी।

अनेकार्थी शब्द– वे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं, अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे– गुरु – एक ग्रह, शिक्षक, श्रेष्ठ।

3. रूढ़ शब्द– वे शब्द जो अन्य शब्दों के मेल से नहीं बनते और जिनके खंड़ो का कोई अर्थ नहीं होता है, रूढ़ शब्द कहलाते हैं; जैसे– दवात।

यौगिक शब्द– वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बनते हैं और जिनके खंडों का अर्थ होता है, यौगिक शब्द कहलाते हैं; जैसे– विद्यालय – विद्या + आलय।

4. विकारी शब्द– वे शब्द जो वाक्य में प्रयोग करने पर लिंग, वचन ओर कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं, विकारी शब्द कहलाते हैं; जैसे– बच्चा, मैं, सुन्दर, खाया आदि।

अविकारी शब्द– वे शब्द जिनका वाक्यों में प्रयोग करने पर लिंग, वचन और कारक के अनुसार परिवर्तन नहीं होता, अविकारी शब्द कहलाते हैं; जैसे– के पास, आज, कल, के बिना।

5. तत्सम् शब्द– संस्कृत के उन शब्दों को जिन्हें हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के उनके मूलरूप में प्रयोग किया जाता है, तत्सम् शब्द कहते हैं; जैसे– अग्नि, कृषक, शिक्षा, भिक्षा आदि।

तद्भव शब्द– संस्कृत के जिन शब्दों को परिवर्तित करके हिंदी में प्रयोग किया जाता है, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं; जैसे– आग, किसान, सीख, भीख आदि।

(घ)

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
मोर	हिमालय	लंबोदर
कलम	नीलकमल	विद्यालय

लंकेश महात्मा परमात्मा

पाठ-5 संज्ञा

अभ्यास

मौखिक

(क) वे शब्द जिनके द्वारा किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, जाति या भाव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते है।

(ख) संज्ञा के मुख्यत: तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

(ग) जिन संज्ञा शब्दों से किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान आदि के नाम का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– महात्मा गाँधी, गीता, रामचरितमानस।

(घ) जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति या वर्ग के सभी प्राणियों, वस्तुओं अथवा स्थानों के नाम का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– घर, विद्यालय।

(ङ) संज्ञा के अन्य दो भेद हैं– पदार्थवाचक और समूहवाचक।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(ख) 1. स्व 2. काला 3. कठोर 4. मारना
5. भूलना 6. अनेक

(ग)

जातिवाचक	व्यक्तिवाचक	भाववाचक	समूहवाचक	पदार्थवाचक
नदी	सचिन तेंदुलकर	सुंदरता	पुस्तकालय	सोना
मोर	कबीरदास		कक्षा	पत्थर
चोर	दिल्ली		सेना	

(घ) 1. वे शब्द जिनके द्वारा किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, जाति या भाव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं। जैसे– शहर, मेला, मयंक, प्राची, चाट-पकोड़ी, सजावट।

2. संज्ञा के तीन भेद हैं। 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा।

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जिन संज्ञा शब्दों से किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान आदि के नाम का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– महात्मा गाँधी, गीता, रामचरितमानस।

   जातिवाचक संज्ञा – जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति या वर्ग के सभी प्राणियों, वस्तुओं अथवा स्थानों के नाम को बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– घर, विद्यालय।

4. द्रव्यवाचक संज्ञा– जिन संज्ञा शब्दों से किसी पदार्थ का बोध होता है, उन्हें पदार्थवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– सोना, चाँदी, पत्थर, लकड़ी, दूध आदि।

   समूहवाचक संज्ञा– जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु के समूह या समुदाय का बोध होता है, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– सेना, कक्षा, परिवार,

पुस्तकालय, भीड़ आदि।

5. भाववाचक संज्ञा– जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, अवस्था, भाव आदि का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– आदर, वीरता, त्याग, आलस्य, प्रेम, बुढ़ापा, घृणा, सुंदरता, पढ़ाई, खेल, मित्रता, शत्रुता आदि।

पाठ-6 लिंग

अभ्यास

मौखिक

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) लिंग के दो भेद हैं– 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग।

(ग) संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

(घ) संज्ञा शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(ख) 1. पड़ोसिन 2. शिष्या 3. सिंहनी 4. हंसिनी
5. नौकरानी 6. गुड़िया

(ग) 1. पुल्लिंग– वे शब्द जिनसे पुरुष जाति के होने का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे– आम, सुनार, मंदिर, कमरा, बालक, चश्मा, माली आदि।

स्त्रीलिंग– वे शब्द जिनसे स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे– छात्रा, गायिका, सेविका, धोती, नाव, झील आदि।

2. पुल्लिंग– 1. कुछ देशों के नाम सदैव पुल्लिंग रहते हैं– भारत, जापान, आस्ट्रेलिया, नेपाल, चीन आदि। 2. कुछ पदार्थों के नाम सदैव पुल्लिंग रहते हैं; जैसे– तेल, दूध, पानी आदि।

स्त्रीलिंग– 1. ई और ऊ ध्वनि से समाप्त होने वाले शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे– झाड़ू, बालू, हिरनी, बकरी, चीटी आदि। 2. ई से समाप्त होने वाले शब्दों में अपवाद हैं– पानी, घी, दही और मोती जो हमेशा पुल्लिंग होते हैं।

3. पुल्लिंग शब्दों के अंत में ई लगाकर

पुल्लिंग शब्दों के अंत में आ लगाकर

पाठ-7 वचन

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उन्हें वचन कहते

हैं।

(ख) वचन के दो भेद हैं– 1. एकवचन 2. बहुवचन।

लिखित

(क) 1. चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
2. बच्चे खेल रहे हैं।
3. गायें चर रही हैं।
4. मोहन घर चला गया है।
5. श्याम पुस्तक पढ़ रहा है।

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ग)

	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन
1.	चिड़िया	चिड़ियाँ	5.	बहिन	बहिन
2.	पहाड़ी	पहाडियाँ	6.	संतान	संतानें
3.	कुटिया	कुटियाँ	7.	पुस्तक	पुस्तक
4.	लता	लताएँ	8.	आँख	आँखें

(घ) 1. जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उन्हें वचन कहते हैं। जैसे– लड़की-लड़कियाँ, गाय-गायें।
2. वचन के दो भेद होते हैं– 1. एकवचन 2. बहुवचन।
3. एकवचन– किसी व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक होने का बोध कराने वाले शब्द एकवचन कहलाते हैं; जैसे– घोड़ा, लड़की, गाय आदि।
बहुवचन– किसी व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक से अधिक होने का बोध कराने वाले शब्द बहुवचन कहलाते हैं; जैसे– लड़कियाँ, गायें, घोड़े आदि।
4. एकवचन स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में अ के स्थान पर एँ जोड़कर
एकवचन स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम आ के साथ एँ जोड़कर

पाठ-8 कारक

अभ्यास

मौखिक

(क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ इनका संबंध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद होते हैं।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

(ख)

परसर्ग	कारक
ने	कर्त्ता

से, के द्वारा	करण
के लिए, को	संप्रदान
में, पर	अधिकरण
का, के, की	संबंध

(ग) 1. की 2. में 3. पर 4. की 5. से
6. के लिए 7. को

(घ) 1. का 2. को 3. के लिए 4. की 5. में
6. से 7. हे

(ङ) 1. जिस शब्द पर कर्त्ता द्वारा किए जाने वाले कार्य का प्रभाव पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका परसर्ग को है; जैसे– 1. रोहन बाज़ार जा रहा है।

2. जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का अलग होना पाया जाए, उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका परसर्ग से है; जैसे– 1. पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

(च)

कारक	**कारक चिह्न**
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
संप्रदान	को, के लिए
अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
संबंध	का, के, को, रा, रे, री
अधिकरण	में, पर
संबोधन	हे!, अरे! ओह!

(छ) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ–9 सर्वनाम

अभ्यास

मौखिक

(क) सर्वनाम शब्द का शाब्दिक अर्थ है– सबका नाम।

(ख) सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं?

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(ख) रोहन कक्षा पाँच का छात्र है। <u>उसके</u> पिताजी सरकारी कर्मचारी हैं और <u>उसकी</u> माताजी अध्यापिका हैं। <u>वह</u> अपने दादा-दादी व माता-पिता के साथ रहता है। <u>वह</u> कक्षा में सदैव प्रथम आता है। <u>वह</u> अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करता है। <u>वह</u> खेल में

भी हमेशा प्रथम आता है। उसके इन्हीं गुणों पर सभी अध्यापक गर्व करते हैं।

(ग) 1. वह 2. कुछ 3. जो, वह 4. वह 5. मैं
6. यह

(घ) 1. जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के छः भेद हैं– 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम।

2. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं– 1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम 2. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम 3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम।

3. वे सर्वनाम शब्द जो वाक्य में किसी दूसरे, सर्वनाम से संबंध प्रकट करते हैं, उन्हें, संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जो-सो, जैसा-वैसा, जिसकी-उसकी आदि।

4. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कौन, क्या, किसने, किसे, किससे आदि।

5. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्त्ता अपने लिए करता है, निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– स्वयं, खुद, अपने-आप आदि।

6. निश्चयवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का एक निश्चित बोध कराए, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, वह, ये, वे आदि।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का एक निश्चित बोध कराए, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कोई, कुछ, किसी को आदि।

(ङ) 1. मुझे 2. तुम 3. कुछ 4. स्वयं

(च) 1. वह – वह मेरा मित्र है।
2. यह – यह मेरी बहन है।
3. तुम – तुम मेरे साथ चलो।
4. मुझे – मुझे आप बहुत पसंद हैं।
5. आप – आप क्या कर रहे हो?
6. उसका – उसका नाम क्या है?
7. उन्हें – उन्हें यहाँ खेलने के लिए बुलाओ।
8. मेरा – मेरा नाम अनवी है।
9. उनका – उनका घर बहुत दूर है।
10. वे – वे सब घूमने जा रहे हैं।

पाठ-10 विशेषण

अभ्यास

मौखिक

(क) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं।

(ग) सार्वनामिक विशेषण का अन्य नाम सांकेतिक विशेषण है।

(घ) परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद है।

(ङ) विशेषण की तीन अवस्थाएँ हैं?

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

(ख) 1. संख्यावाचक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. गुणवाचक विशेषण
4. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
5. परिमाणवाचक विशेषण
6. गुणवाचक विशेषण

(ग)

1.	साँप	–	काला	मोटा
2.	दुकानदार	–	लोभी	दयालु
3.	सैनिक	–	वीर	भूतपूर्व
4.	विद्यालय	–	बड़ा	नया
5.	कौआ	–	काला	बृद्धिमान

(घ) 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। विशेषण के चार भेद हैं– 1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण 3. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण 4. परिमाणवाचक विशेषण।

2. संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, आकार, स्थान, रंग, स्वभाव आदि का बोध कराने वाले शब्दों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

गुणबोधक – दयालु, दानी, वीर, उदार, ईमानदार, सच्चा, मीठा, भला, अच्छा, सुंदर आदि।

दोषबोधक – कपटी, झूठा, बुरा, कायर, पापी, अशिष्ट, लोभी, अनुचित, नीच आदि।

आकारबोधक – ऊँचा, मोटा, गोल, पतला, छोटा, चौड़ा, बड़ा, लंबा, सुडौल, नुकीला आदि।

स्थानबोधक – भारतीय, जापानी, अफ्रीका, अमेरिकी, शहरी, ग्रामीण आदि।

3. विशेषण की तीन अवस्थाएँ हैं– 1. मूलावस्था– वैष्णवी अच्छी लड़की है। 2. उत्तरावस्था– वैष्णवी तुमसे अधिक सुंदर है। 3. उत्तमावस्था– मुंबई भारत का विशालतम नगर है।

4. सर्वनाम और संकेतवाचक विशेषण में अंतर– जब वह, ये, वे आदि शब्द वाक्यों में स्वतंत्र रूप में प्रयोग होते हैं, तो इन्हें सर्वनाम कहते हैं, किंतु जब ये शब्द वाक्य में संज्ञा से पहले आते हैं, तो इन्हें संकेतवाचक विशेषण या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे– 1. वह बीमार है। वह – सर्वनाम 2. वह व्यक्ति बीमार है। वह व्यक्ति – सार्वनामिक विशेषण।

पहले वाक्य में वह शब्द स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त हुआ है, जबकि दूसरे वाक्य में संज्ञा से पहले प्रयोग हो रहा है। अत: पहले वाक्य में वह शब्द सर्वनाम तथा दूसरे वाक्य में संकेतवाचक विशेषण हैं।

पाठ-11 क्रिया

अभ्यास

मौखिक

(क) क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं

(ख) क्रिया के दो भेद हैं।

(ग) क्रिया के भेद रचना और कर्म के आधार पर किए जाते हैं?

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗

(ख) बोल – बोलना जा – जाना
पढ़ – पढ़ना बैठ – बैठना

(ग) 1. गौरव किताब पढ़ता है। 2. राजा गीत गाता है।
3. मोनू आम खाता है। 4. दीपेश फुटबॉल खेलता है।

(घ) 1. किसी काम के होने या करने का बोध कराने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं।
वैभव खाना खा रहा है। वैदिक पत्र लिख रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में लिख रहा है, खा रहा है आदि शब्दों से किसी न किसी कार्य के होने का बोध हो रहा है, इन्हें क्रिया कहते हैं।

2. सकर्मक क्रिया– जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म भी होता है, उन क्रियाओं को सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– 1. शिखा गीत गाती है। 2. बंदर केला खाता है।

एककर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं में केवल एक कर्म होता है, एककर्मक क्रिया कहलाती हैं; जैसे– 1. मदारी खेल दिखा रहा है।

द्विकर्मक क्रिया– वे क्रियाएँ जिनमें दो कर्म होते हैं, उन्हें द्विकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– 1. खुशबू ने भिखारी को खाना दिया।

पाठ-12 काल

अभ्यास

मौखिक

(क) क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद होते हैं– 1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल

(ग) भविष्यत्काल के तीन भेद हैं– 1. सामान्य भविष्यत् काल 2. संभाव्य भविष्यत् काल 3. हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल।

(घ) वर्तमानकाल के तीन भेद हैं– 1. सामान्य वर्तमानकाल 2. अपूर्ण वर्तमानकाल 3. संदिग्ध वर्तमानकाल।

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ख) 1. आसन्न भूतकाल
2. सामान्य भूतकाल
3. हेतु-हेतुमद् भूतकाल
4. संदिग्ध भूतकाल
5. अपूर्ण भूतकाल।

(ग) 1. वह खेल रहा था।
2. वह कल दिल्ली गया था।
3. नवनीत पुस्तक पढ़ रहा है।
4. मैं कल सर्कस देखने जाऊँगा।
5. धोबी कपड़े धोएगा।

(घ) 1. क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।वह सो रहा है। वह सो रहा था। वह सोएगा।

2. भूतकाल– जिस क्रिया के द्वारा कार्य के बीते हुए समय में समाप्त होने का पता चलता है, उसे भूतकाल कहते हैं. भूतकाल के छः भेद हैं– 1. सामान्य भूतकाल 2. आसन्न भूतकाल 3. पूर्ण भूतकाल 4. अपूर्ण भूतकाल 5. संदिग्ध भूतकाल 6. हेतु-हेतुमद् भूतकाल।

3. वर्तमान काल– क्रिया के जिस रूप से कार्य के वर्तमान समय में होने का पता चलता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे– माताजी खाना खिला रही है।

   वर्तमानकाल के तीन भेद हैं– 1. सामान्य वर्तमानकाल 2. अपूर्ण वर्तमानकाल 3. संदिग्ध वर्तमानकाल।

4. भविष्यत् काल– क्रिया के जिस रूप से कार्य के आने वाले समय में समाप्त होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते है; जैसे– मैं मेला देखने जाऊँगा। भविष्यत्काल के तीन भेद हैं– 1. सामान्य भविष्यत् काल 2. संभाव्य भविष्यत् काल 3. हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल।

5. पूर्ण भूतकाल– जिस काल में क्रिया के द्वारा किसी कार्य के भूतकाल में प्रारंभ होकर भूतकाल में ही समाप्त हो चुका था, भाव का बोध होता है, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं; जैसे– 1. मैंने पाठ पढ़ा था।

अपूर्ण भूतकाल– जिस काल में क्रिया के द्वारा किसी कार्य के भूतकाल में जारी रहने का बोध होता है, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं; जैसे1 1. वह सोने जा रहा था।

पाठ-13 विराम-चिह्न

अभ्यास

मौखिक

(क) विराम का क्या अर्थ होता रूकना या ठहरना।

(ख) उद्धरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं।

(ग) शब्द-युग्मों में लिखित भाषा में विराम को दर्शाने के लिए विराम-चिह्न का प्रयोग होता है।

(घ) प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में किया जाता है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(ख) 1. इकहरे उद्धरण चिह्न
2. योजक चिह्न
3. उपविराम
4. प्रश्नवाचक चिह्न
5. पूर्ण विराम
6. अद्‌र्ध विराम
7. अल्प विराम
8. विस्मयादिबोधक

(ग) 1. लिखित भाषा में विराम को प्रदर्शित करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं; जैसे– 1. तुम्हारे यहाँ कौन आया है? 2. अरे! वह छत से गिर पड़ा। 3. राम, राहुल और आकाश मित्र हैं।

2. 1. पूर्ण विराम 2. अल्प विराम 3. अद्‌र्ध विराम 4. प्रश्नवाचक चिह्न 5. विस्मयादिबोधक चिह्न 6. निर्देशक चिह्न 7. दोहरे उद्धरण चिह्न इकहरे उद्धरण चिह्न 8. उप विराम 9.योजक चिह्न 10. कोष्ठक 11. लाघव चिह्न।

3. प्रश्नवाचक चिह्न (?)– प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे– 1. क्या वे पढ़ रहे हैं? 2. तुम कहाँ से आए हो?

4. योजक चिह्न (-)– दो शब्दों के बीच संबंध दर्शाने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग करते है; जैसे– 1. गंगा-यमुना उत्तर भारत की नदियाँ हैं। 2. वह दिन-रात मेहनत करता है।

पाठ-14 विपरीतार्थी और समानार्थी शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

(ख) विपरीतार्थी शब्द को विलोम शब्द भी कहते हैं।

(ग) समानार्थी शब्द का प्रयोग व्यक्तिगत संदेश को संवेदनशील बनाने के लिए किया जाता है।

लिखित

(क) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

(ख)

चतुर	–	चालाक	कुशल	निपुण
गणेश	–	गणपति	विनायक	गजानन
सूर्य	–	भानु	दिवाकर	रवि
गंगा	–	मंदाकिनी	देवनदी	सुरसरि
हिमालय	–	गिरीश	नागेश	हिमगिरि

(ग) 1. हानि 2. अंत

(घ)

मितव्ययी	अपव्ययी
आयात	निर्यात
दिन	रात
श्वेत	श्याम
सरस	नीरस

(ङ)

पुत्री	–	नंदिनी	तनया
आँगन	–	अंगना	प्रांगण
आँख	–	नयन	लोचन
घोड़ा	–	घोटक	हय
गंगा	–	मंदाकिनी	देवनदी

(च)

1. आंतरिक	2. भोगी	3. सुरूप	4. पतन
5. वियोग	6. अमंगल	7. प्रस्थान	8. अनर्थ
9. मुदित	10. अंत	11. शर्म	12. रूदन

पाठ-15 विभिन्न प्रकार के शब्द

अभ्यास

मौखिक

(क) तत्सम् शब्द संस्कृत भाषा के शब्द हैं?

(ख) ऐसे शब्द जो एक शब्द के अनेक अर्थों का बोध कराएँ, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

(ग) हिंदी भाषा में ऐसे अनेक शब्दों का प्रयोग होता है जो उच्चारण की दृष्टि से समान होकर भी पूर्णत: भिन्न अर्थ को उजागर करते हैं, ऐसे शब्दों को समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗

(ख)

	तत्सम्	**तद्भव**		**तत्सम्**	**तद्भव**
1.	कृषक	किसान	5.	पुष्प	फूल
2.	उलूक	उल्लू	6.	तृण	तिनका
3.	दधि	दही	7.	उज्ज्वल	उजाला
4.	क्षीर	दूध	8.	घृत	घी

(ग) दल – समूह, सेना पक्ष – पंख, मोर
आम – साधारण, मामूली घट – घड़ा, मन

(घ)

1.	शर	–	बाण	2.	जलद	–	बादल
	सर	–	तालाब		जलज	–	कमल
3.	हरि	–	विष्णु	4.	सूत	–	धागा
	हरी	–	हरे रंग की		सुत	–	पुत्र
5.	चालक	–	वाहन चलाने वाला	6.	अंक	–	संख्या
	चालाक	–	चतुर		अंग	–	हिस्सा

(ङ) 1. अभियान – स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझना।
अहंकार – झूठा घमंड
2. प्रयोग – कुछ नया करना
उपयोग – अच्छे ढंग से काम में लेना।

(च) 1. निडर 2. अद्वितीय 3. नि:संतान 4. जिज्ञासु
5. प्रजातंत्र 6. यथाशक्ति 7. सर्वव्यापी 8. अमर

(छ) 1. संस्कृत भाषा के वे शब्द जिनका उपयोग हिंदी में ज्यों का त्यों किया जाए, उन्हें तत्सम् शब्द कहते हैं। इनके परिवर्तित रूप को तद्भव शब्द कहते हैं।

2. ऐसे शब्द जिनके अर्थ प्राय: समान होते हैं किंतु अर्थ में सूक्ष्म भेद होता है। इनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा सकता है, इन्हें एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द कहते हैं।

3. हिंदी भाषा में ऐसे अनेक शब्दों का प्रयोग होता है, जो उच्चारण की दृष्टि से

लगभग समान होकर भी पूर्णत: भिन्न अर्थ को उजागर करते हैं, ऐसे शब्दों को समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं; जैसे– दीन – गरीब, दिन – दिवस।

पाठ-16 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

अभ्यास

मौखिक

(क) मुहावरे का शब्दिक अर्थ बातचीत है।

(ख) मुहावरे अरबी भाषा का शब्द है?

(ग) लोगों के द्वारा कही गई उक्ति।

(घ) लोकोक्ति पूर्ण वाक्य है।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ख)

उँगली उठाना	दोष लगाना
बाएँ हाथ का खेल	सरल कार्य
कमर टूट जाना	निराश होना
बलि का बकरा	दूसरों के लिए मारा जाना
रंग उड़ना	चेहरा फीका पड़ना

(ग) 1. फूट-फूट कर रोना – बहुत रोना
परीक्षा में अच्छे नंबर न आने पर मोहन फूट-फूट कर रोने लगा।

2. टका-सा जवाब देना – साफ मना करना।
जब मैने योगेश से पेंसिल मांगी तो उसने टका-सा जवाब दे दिया।

3. नाक में दम करना – बहुत तंग करना।
चूहों ने मेरी नाक में दम कर दिया है।

4. माथा-पच्ची करना – सिर खपाना।
अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र में बहुत माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

5. आँखों में धूल झोंकना – धोखा देना
चोर ने पुलिस की आँखों मे धूल झोंक दी।

(घ) 1. एक पंथ दो काज – एक काम से दोहरा लाभ
जब मैं शिमला ट्रेनिंग के लिए जाऊँगा, तो में नानी से भी मिल आऊँगा इसे कहते है– एक पंथ दो काज।

2. काला अक्षर भैंस बराबर – अनपढ़ होना
तुम रामू को पत्र लिखने को कह रहे हो, लेकिन उसके लिए तो यह काला अक्षर भैंस बराबर है।

3. साँच को आँच नहीं – सच को किसी का डर नहीं होता।

मैं हमेशा सच बोलता हूँ, इसलिए किसी से डरता नहीं क्योंकि साँच को आँच नहीं।

4. एक अनार सौ बीमार – वस्तु कम और मांग अधिक
   एक सभा में 100 लोगों की जगह थी, और लोग थे 200, बस यही बात हुई एक अनार सौ बीमार।
5. अजगर के दाता राम – आलसी दूसरों पर आश्रित रहते हैं।
   तुम बिना मेहनत के ही परीक्षा में अच्छे अंक ले आते हो, इसी को कहते हैं अजगर के दाता राम।

(ङ) 1. जो वाक्यांश अपने शाब्दिक अर्थ से पृथक एक विशेष अर्थ का बोध कराएँ, मुहावरे कहलाते हैं; जैसे– मुँह में पानी भर आना – जी ललचाना।

2. लोकोक्ति शब्द लोक + उक्ति से मिलकर बना है। जिसका अर्थ होता है, लोगों के द्वारा कही गई उक्ति अथवा कहावतें; जैसे– जैसी करनी, वैसी भरनी – जैसा काम, वैसा फल।

पाठ-17 पत्र-लेखन

अभ्यास

मौखिक

(क) जब हमें कोई समाचार दूर किसी को देना होता है तो पत्र लिखा जाता है।

(ख) पत्र लिखने की आवश्यकता इसलिए होती है, क्योंकि पत्र के द्वारा ही हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचा सकते हैं

(ग) पत्र दो प्रकार के होते हैं– i. औपचारिक ii. अनौपचारिक।

(घ) जो पत्र प्रायः ऐसे व्यक्तियों को लिखे जाते हैं, जिनसे पत्र-लेखक का कोई निजी संबंध न होकर व्यापारिक संबंध होता है। इन्हें कार्यालयी-पत्र या व्यावसायिक-पत्र कहते हैं।

(ङ) पत्र की भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

लिखित

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(ख) 1. पाठ्यपुस्तक पृष्ठ न0 - 83

2. पाठ्यपुस्तक पृष्ठ न0 - 82

3. विद्यार्थी स्वयं करे

पाठ-18 अपठित गद्यांश

(क) 1. पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र

2. पुस्तकें हमसें कुछ नहीं लेती, परंतु हमें ज्ञान, मनोरंजन और विवेक देती है।

3. सामान्य मित्र अक्सर संकट के समय साथ छोड़ देते है, परंतु पुस्तकें पूर्णतः हमारा साथ निभाती है।

4. जो पुस्तकें उन्नति में सहायक हो उनका संग्रह करना चाहिए। गिरावट की ओर ले जाने वाली पुस्तकों का संग्रह कदापि नहीं करना चाहिए।

पाठ-19 अनुच्छेद लेखन (पठन व अध्ययन हेतु)

प्रश्न पत्र-I

लिखित

(क) 1. (ii) 2. (iii) 3. (iii) 4. (ii) 5. (ii)

(ख)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सुनार	सुनारिन	स्वामी	स्वामिनी
बाघ	बाघिन	हंस	हंसिनी
पंडित	पंडिताइन	श्रीमान	श्री

(ग) 1. जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उन्हें वचन कहते हैं। जैसे– लड़की-लड़कियाँ, गाय-गायें।

2. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ इनका संबंध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं। कारक के आठ प्रकार हैं– 1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक।

3. अपादान कारक – जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का अलग होना पाया जाए, उसे अपादान कारक कहते है।

   संबंध कारक – जो शब्द वाक्य में आए अन्य शब्दों से संबंध बताते हैं, उन्हें संबंध कारक कहते हैं।

4. निश्चयवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का एक निश्चित बोध कराए, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, वह, ये, वे आदि।

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का एक निश्चित बोध न कराए, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कोई, कुछ, किसी को आदि।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

प्रश्न पत्र-II

(क) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(ख) 1. इकहरे उद्धरण चिह्न 5. विस्मयादिबोधक

2. पूर्ण विराम
3. प्रश्नवाचक चिह्न
4. उप विराम
6. अल्प विराम
7. अद्‌र्ध विराम
8. योजक चिह्न

(ग) 1. मुँह उतरना – उदास होना।
शिक्षक द्‌वारा डाँटे जाने पर रामू का मुँह उतर गया।

2. डींग मारना – बढ़ा-चढ़ाकर बनाना।
श्याम मित्रों के साथ बहुत डींग मारता है।

3. फूट-फूट कर रोना – जोर-जोर से रोना।
राहुल की आइसक्रीम न मिलने पर वह फूट-फूटकर रोने लगा।

(घ) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(ङ) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

Teacher`s Manual
Class 1-5

Ottimo Publications

A-114, Sector-69, Noida (UP)-201301